राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 07 सितंबर 2026 वर्ष-9,अंक-216 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

दिल्ली में 40-50 साल पुरानी इमारत गिरी, हादसे के वक्त 50 से ज्यादा लोग अंदर मौजूद थे,मलबे में कई दबे..

3 की मौत, कई घायल

नई दिल्ली ।

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें 3 स्टूडेंट्स की मौत हो गई। वहीं, 3 गंभीर रूप से घायल हैं। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी। बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। 9 का रेस्क्यू कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 20-25 कमरे थे और हर कमरे में 2 स्टूडेंट्स रहते थे। हादसे के वक्त अंदर 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। बिल्डिंग के मालिक का नाम आनंद बंसल है, जो गुरुग्राम में रहता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे के बगल में एक और बिल्डिंग गिरने की हालत में है। लेकिन लोगों को वहां से निकाल लिया गया है।

पांच मंजिला इमारत भरभराकर गिरने की घटना ने सिर्फ रेस्क्यू ऑपरेशन ही नहीं, बल्कि राजधानी के छात्र इलाकों में मौजूद पुराने और जर्जर भवनों की सुरक्षा पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। जिस इमारत में हादसा हुआ, वह करीब 40-50 साल पुरानी बताई जा रही है और उसमें छात्रों के लिए हॉस्टल संचालित हो रहा था। हादसे के समय इमारत में 50 से ज्यादा लोगों के मौजूद होने का दावा किया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इमारत में 20-25 कमरे थे और प्रत्येक कमरे में करीब दो छात्र रहते थे। हादसे के बाद कई लोग मलबे में फंस गए।

अब तक कई लोगों को बाहर निकाला जा चुका है, जबकि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। एम्स ट्रॉमा सेंटर में 7 घायल भर्ती दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने के बाद 7 लोगों को एम्स ट्रॉमा सेंटर और 1 को सफदरजंग अस्पताल ले जाया

गया। एम्स ट्रॉमा सेंटर के मुताबिक, वहां लाए गए लोगों में से 2 को मृत घोषित कर दिया गया। बेसमेंट में हो रही थी खुदाई

हादसे से जुड़ी सबसे अहम बात यह सामने आई है कि इमारत के बेसमेंट में खुदाई का काम चल रहा था। ऐसे में जांच का एक प्रमुख सवाल यह होगा कि क्या बेसमेंट की खुदाई के दौरान भवन की संरचनात्मक सुरक्षा प्रभावित हुई थी।

जेएनयू प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप, 10 छात्राओं की शिकायत पर आईसीसी की जांच शुरू

घर बुलाकर अनुचित व्यवहार और क्लास में अश्लील टिप्पणियों के आरोप
शुरुआती शिकायत के बाद वरिष्ठ छात्र भी आए सामने, प्रशासन के आधिकारिक बयान का इंतजार

नई दिल्ली ।

देश के प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में एक प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगे हैं। मामले में कम से कम 10 छात्राओं ने प्रोफेसर के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतों का दायरा और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) को विस्तृत जांच सौंप दी गई है। सूत्रों के अनुसार, शिकायतों की शुरुआत करीब एक महीने पहले एक छात्रा द्वारा की गई थी। इसके बाद विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ छात्र भी सामने आए और उन्होंने भी उसी प्रोफेसर पर गंभीर आरोप लगाए। शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि प्रोफेसर ने कुछ छात्रों को कैंपस स्थित अपने सरकारी आवास पर बैठकों के बहाने बुलाया और वहां कथित तौर पर आपत्तिजनक व अनुचित यौन व्यवहार की कोशिश की।

छात्रों ने यह भी आरोप लगाया है कि प्रोफेसर कक्षाओं के दौरान नियमित रूप से आपत्तिजनक और अश्लील टिप्पणियां करते थे। एक के बाद एक कई छात्रों के सामने आने से मामले ने तूल पकड़ लिया है। जेएनयू की निर्धारित प्रक्रिया के तहत अब आईसीसी सभी शिकायतों और साक्ष्यों की जांच कर रही है। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति कार्यालय की ओर से इस विषय पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आईसीसी की सिफारिशों के आधार पर प्रोफेसर के खिलाफ आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

सागर में जहरीली शराब का कहर- 11 लोगों की मौत, 35 अस्पताल में भर्ती

6 दुकानें सील, मरीजों के शरीर नीले पड़ने और अकड़न की शिकायत; कमिश्नर-कलेक्टर ने प्रभावित गांवों का दौरा कर दिए सख्त जांच के आदेश।

सागर ।

मप्र के सागर जिले में जहरीली शराब पीने से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 35 लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कई मरीजों की हालत नाजुक बनी हुई है, जिन्हें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल सागर रेफर किया गया है। प्रशासन ने मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई है। यह मामला देर रात का है, जब घूघर, नौराज, बराज, गूगरा खुर्द और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के कुछ लोगों ने शराब का सेवन किया था। इसके कुछ देर बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। बमुराबेड़ा गांव के निवासी रामकुमार दांगी ने बताया कि उनके चचेरे भाई समेत गांव में चार मौतें हो चुकी हैं। शराब पीने के बाद अचानक पीड़ितों का शरीर ठंडा पड़ने लगा और आधे घंटे के भीतर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल लाए गए मरीजों के शरीर नीले पड़ चुके थे और उन्हें तेज अकड़न महसूस हो रही थी। प्रशासन की सख्ती और सील की गईं दुकानें घटना की सूचना मिलते ही सागर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर प्रतिभा पाल और एसपी ने ग्राम नौराज और गूगरा खुर्द का दौरा किया।

अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर अस्पताल में चल रहे इलाज की व्यवस्था का जायजा लिया। प्रथम दृष्टया कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने क्षेत्र की 6 शराब दुकानों को सील कर दिया है और तत्काल सैंपल लेने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अवैध शराब का कारोबार करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

कलेक्टर की अपील लक्षण महसूस हो तो अस्पताल पहुंचें जिला कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी ने पिछले 24 से 48 घंटों में शराब का सेवन किया है या उन्हें उल्टी, सिरदर्द, बुखार या शरीर में अकड़न जैसे लक्षण महसूस हो रहे हैं, तो वे बिना देर किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या सिविल अस्पताल पहुंचकर अपनी स्क्रीनिंग जरूर कराएं। प्रभावित गांवों में मेडिकल टीमों द्वारा लगातार स्क्रीनिंग और चेकअप का अभियान चलाया जा रहा है।

1 दिसंबर से चार राज्यों में जनगणना

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में जनगणना की प्रक्रिया 1 दिसंबर 2026 से शुरू होगी। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए इन राज्यों में जनसंख्या पहले कराने का फैसला लिया गया है। यह प्रक्रिया 4 जनवरी 2027 तक चलेगी। इसके बाद 5 से 9 जनवरी तक पुनरीक्षण किया जाएगा।

इन राज्यों के नागरिक 16 से 30 नवंबर के बीच स्व-गणना की सुविधा का भी इस्तेमाल कर सकेंगे। उत्तराखंड के बर्फीले क्षेत्रों को इस कार्यक्रम से अलग रखा गया है। देश के अन्य हिस्सों में जनगणना की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी। चुनावी राज्यों में समय से जनगणना पूरी कराने से प्रशासनिक तैयारियों में भी सुविधा होगी।

इसरो में निजीकरण की आहट कर्मचारियों ने पत्र लिख पूछा- हम कहां जाएंगे

श्रीहरिकोटा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के कर्मचारियों में अपने भविष्य और संगठन के निजीकरण को लेकर गहरी चिंता व्याप्त है। अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोले जाने के छह साल बाद, इसरो के अलग-अलग केंद्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले नौ प्रमुख कर्मचारी संघों ने एक संयुक्त पत्र लिखकर आधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा है। यह पत्र 4 सितंबर को इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव वी. नारायणन को भेजा गया, जिसमें निजीकरण की नीति, भूमिका और मौजूदा कर्मचारियों के भविष्य पर पड़ने वाले असर पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है।

कर्मचारी संघों की इस तीखी प्रतिक्रिया की मुख्य वजह इन-स्पेस के चेयरमैन पवन कुमार गोयनका का हालिया बयान है। गोयनका ने एक कार्यक्रम में कहा था कि आखिरकार इसरो किसी भी लॉन्च व्हीकल (रॉकेट) का निर्माण नहीं करेगा। यह पूरा काम निजी क्षेत्र या सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा किया जाएगा। कर्मचारियों का तर्क है कि अंतरिक्ष विभाग की ओर से इस नीति का कोई आधिकारिक रोडमैप जारी न किए जाने से वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रशासनिक कर्मचारियों व उनके परिवारों में गहरा तनाव है। पत्र में बताया गया कि स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएसएलवी) के उत्पादन को निजी क्षेत्र को सौंपने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, और अब पीएसएलवी और एलवीएम 3 जैसे मुख्य रॉकेटों के

उत्पादन को भी निजी हाथों में देने की तैयारी है। संघों ने रेखांकित किया है कि इसरो की लगभग 120 प्रौद्योगिकियां पहले ही निजी क्षेत्र को हस्तांतरित की जा चुकी हैं। इसके अलावा, तमिलनाडु में नए स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स जैसे बुनियादी ढांचे को भी निजी कंपनियों के लिए खोला जा रहा है।कर्मचारी संघों का तर्क है कि रॉकेट और सैटेलाइट का निर्माण केवल ठेकेदारी या असेंबली का काम नहीं है, बल्कि यह इसरो की मुख्य विशेषज्ञता और रणनीतिक पहचान है। इन कार्यों को बाहर सौंपने से इन-हाउस अनुसंधान प्रभावित होगा, स्वीकृत पदों की संख्या में कटौती होगी, और भविष्य में सरकारी भर्तियों के रास्ते बंद हो जाएंगे।

मुंबई में दही हांडी का धूम- 50 फीट ऊपर महिला गोविंदाओं का बेजोड़ प्रदर्शन

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई इस बार दही हांडी उत्सव को लेकर जबरदस्त जोश और उत्साह दिखा रहा है। यह पर्व अब सिर्फ भक्ति और रोमांच का नहीं, बल्कि लाखों रुपये के भारी-भरकम पुरस्कारों का भी एक बड़ा खेल बन गया है, जिसने गोविंदा पथकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। शहर के कोने-कोने में गोविंदा टोलियां मानव पिरामिड बनाकर दही हांडी तोड़ने के लिए सड़कों पर उतर चुकी हैं।

इस वर्ष के उत्सव की बेहद खास और प्रेरणादायक तस्वीर मुंबई के दादर से सामने आई, जहां एक महिला गोविंदा पथक ने अद्भुत प्रदर्शन किया। करीब 50 फीट की ऊंचाई पर लटकी दही हांडी को महिला टोली ने शानदार तालमेल दिखाकर मात्र पांच में मानव पिरामिड बनाकर फोड़ दिया। यह दृश्य अविश्वसनीय था और यह देखकर पूरा इलाका गोविंदा रे गोपाला के जयकारों से गूंज उठा।

महिला गोविंदाओं की खुशी देखने लायक थी, क्योंकि उन्होंने न केवल एक कठिन लक्ष्य को हासिल किया, बल्कि इस पारंपरिक खेल में अपनी ताकत और कौशल का लोहा मनवाया।

इस बार प्रतियोगिताओं में करोड़ों रुपये के पुरस्कार घोषित किए गए हैं। बोरीवली ईस्ट में मागाठाणे दही हांडी की ओर से विजेता गोविंदा पथक के लिए 85 लाख रुपये का भव्य इनाम रखा गया है, जो इस साल का सबसे बड़ा पुरस्कार है।

आज पीएम मोदी की मंत्रियों के साथ होगी समीक्षा बैठक

कैबिनेट फेरबदल की अटकलें हुईं तेज

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार शाम को केंद्रीय मंत्रियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करने वाले है। जिससे आगामी कैबिनेट फेरबदल की अटकलें तेज हुई हैं। इस उच्चस्तरीय बैठक में मंत्रियों के कामकाज और उनके विभागों द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक न्याय व जनकल्याण से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने विशेष रूप से विभिन्न मंत्रालयों की योजनाओं के क्रियान्वयन और जनता तक उनके प्रभाव पर जोर दिया।

सूत्रों के अनुसार, सोमवार को होने वाली बैठक में केवल उन्हीं राज्यमंत्रियों और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। जिनके विभाग सीधे तौर पर समाज कल्याण से जुड़े हैं। इसमें मुख्य रूप से शिक्षा मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और कृषि मंत्रालय के कामकाज पर विस्तृत चर्चा होगी। यह देखा जाएगा कि निर्धारित केंद्र की योजनाएं जमीन पर कितनी तेजी से उतरी हैं और संबंधित मंत्रियों ने अपनी जिम्मेदारियां कितनी कुशलता से निभाई हैं।

बैठक का अहम हिस्सा मंत्रियों की जवाबदेही तय करना भी था। उन सभी मंत्रियों के काम का मूल्यांकन किया गया जिन्हें विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सोमवार की बैठक के तुरंत बाद किसी मंत्री के भविष्य या उनके पद को लेकर कोई बड़ा निर्णय होगा। मोदी सरकार आने वाले दिनों में राज्यमंत्रियों के अन्य समूहों के साथ भी इसी तरह की सिलसिलेवार बैठकें आयोजित करने की योजना बना रही है, ताकि विभिन्न मंत्रालयों के समग्र कामकाज को समझा जा सके।

मंत्रियों के प्रदर्शन पर पीएम मोदी की चर्चा को कैबिनेट में होने वाले संभावित बदलावों से सीधे तौर पर जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, फेरबदल को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इन बैठकों को महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। मंत्रियों के कामकाज की यह गहन समीक्षा तब हो रही है जब सरकार

विभिन्न मंत्रालयों के प्रदर्शन पर लगातार नजर रख रही है। फिलहाल, सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बैठक में किन मंत्रियों के कामकाज पर बात हुई और आने वाले दिनों में होने वाली बैठकों का क्या रुख रहता है। इन्हीं चर्चाओं से आगे चलकर कैबिनेट में किसी बड़े बदलाव की तस्वीर साफ हो सकती है।

पांच साल में पांच गुना बढ़ेगी बिजली की मांग, 30 बड़े शहरों पर भारी जल संकट का खतरा

नई दिल्ली ।

देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल सेवाओं के विस्तार में डेटा सेंटर तेजी से बढ़ रहे हैं।

इसका सबसे बड़ा असर बिजली और पानी की मांगपर पड़ने की आशंका है। विशेषज्ञों के अनुसार अगले पांच वर्षों में डेटा सेंटर क्षेत्र की बिजली मांग कई गुना बढ़ सकती है। एआई आधारित डेटा सेंटर में सर्वर की क्षमता और कूलिंग सिस्टम के कारण सामान्य डेटा सेंटर की तुलना में ऊर्जा खपत काफी अधिक होती है। भारत में 2025 में डेटा सेंटर राष्ट्रीय बिजली खपत

का करीब 0.5 प्रतिशत इस्तेमाल कर रहे थे।

डेटा सेंटर की दूसरी बड़ी जरूरत पानी है। सर्वरों को ठंडा रखने के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। भारत के डेटा सेंटर पहले ही सालाना करीब 150 अरब लीटर पानी इस्तेमाल कर रहे हैं।

पीएम मोदी के 'दिमागी नक्सल' वाले बयान पर भड़की सीजेपी

- सौरव दास बोले– छात्रों को दिमागी नक्सल कहने के बजाय बंद होते स्कूलों, शिक्षा बजट और जर्जर बुनियादी ढांचे पर बात करते प्रधानमंत्री

नई दिल्ली ।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए संबोधन के बाद दिमागी नक्सल वाले बयान पर विवाद गहरा गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास ने प्रधानमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि युवाओं और जिज्ञासु छात्रों को ऐसा कहना किसी भी प्रधानमंत्री के लिए अत्यंत आपत्तिजनक है, खासकर शिक्षक दिवस के अवसर पर। सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को मंच से बेरोजगारी, शिक्षा बजट में कटौती और गिरते शैक्षणिक स्तर जैसे बुनियादी सवालों के जवाब देने चाहिए थे।

दास ने पूछा कि बीते एक दशक में लगभग 1 लाख स्कूल बंद हुए हैं और करीब 73 प्रतिशत छात्र उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी करने से पहले ही पढ़ाई छोड़ देते हैं। देश के करीब 9 करोड़ युवा बिना नौकरी, शिक्षा या किसी प्रशिक्षण के संघर्ष कर रहे हैं। एसआरसीसी में शिक्षकों को मेडिकल और चाइल्ड केयर लीव

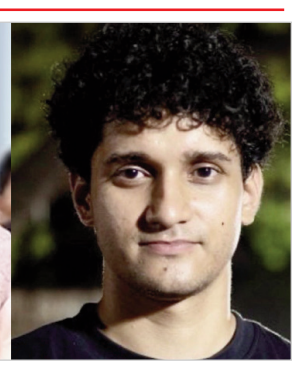

न मिलने पर प्रदर्शन करना पड़ा और छात्र अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक दबाव झेल रहे हैं, जिस पर पीएम ने कुछ नहीं कहा।पीएम मोदी का होम्योपैथिक गोली वाला तर्क दूसरी ओर, एसआरसीसी के कार्यक्रम में पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर दिए अपने बयान का जिक्र करते हुए दिमागी नक्सलियों की तुलना होम्योपैथी की दवा से की।

एक्शन मोड में पीएम मोदी...आज मंत्रियों की लगेगी क्लास

-मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा, सोशल सेक्टर पर रहेगा खास फोकस

नई दिल्ली।

सरकार के विभिन्न क्षेत्रों में परफार्मेंस की समीक्षा के लिए सोमवार शाम एक अहम बैठक बुलाई गई है.

इसमें खास तौर पर सामाजिक न्याय और सामाजिक कल्याण के सेक्टर पर फोकस रहेगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार शाम इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे. इस बैठक में अलग-अलग मंत्रालयों, मंत्रियों और उनके समग्र प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा. समीक्षा बैठक के लिए सिर्फ उन राज्य मंत्रियों और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों के एक वर्ग को बुलाया गया है जिनका मंत्रालय सामाजिक न्याय और सामाजिक कल्याण से संबंधित है.

जिन मंत्रालयों पर कल की बैठक में फोकस रहेगा और जिनके कामकाज की समीक्षा होगी उसमें शिक्षा मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, कृषि मंत्रालय आदि शामिल हैं. इसमें मंत्रियों के कामकाज का आकलन होगा. जवाबदेही पर भी चर्चा होगी.

ऐसी और बैठकें भी राज्यमंत्रियों के दूसरे वर्ग के साथ आने वाले दिनों में होंगी. इन बैठकों को राज्यमंत्रियों की परफार्मेंस से भी जोड़ा जा रहा है जिसका भविष्य में होने वाली कैबिनेट फेरबदल में भी असर देखने को मिल सकता है. कैबिनेट विस्तार के समय ऐसा पहले से होता आ रहा है.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की नई वैश्विक आर्थिक छलांग

(लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं)

-आर्थिक महाशक्ति बनने पूंजी, अंतरिक्ष, विदेशी मुद्रा और ब्रिक्स के बीच विज़न 2047 की निर्णायक राह -समग्र व्यापक विश्लेषण

भारत का नया ग्लोबल पावर गेम- पैसा,बाजार, अंतरिक्ष और ब्रिक्स - 2047 तक दुनियाँ की आर्थिक धुरी बनने की तैयारी

अब भारत सिर्फ़ बाजार नहीं,वैश्विक शक्ति का केंद्र -शेयर बाजार,निवेश, अंतरिक्ष और ब्रिक्स से 2047 की निर्णायक छलांग

वैश्विक स्तरपर आज की दुनियाँ में किसी देश की आर्थिक ताकत का आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद शेयर बाजार के सूचकांकों या विदेशी मुद्रा भंडार से नहीं किया जाता।वास्तविक शक्ति उस देश की इस क्षमता से तय होती है कि वह वैश्विक पूंजी कोकितना आकर्षित कर सकता है, अपनी आपूर्तिश्रृंखलाओं को कितना सुरक्षित रख सकता है,तकनीकी और रणनीतिक क्षेत्रों में कितनी आत्मनिर्भरता हासिल कर सकता है तथा बदलती विश्व व्यवस्था में अपनी आवाज को कितना प्रभावशाली बना सकता है।इसी दृष्टि से वर्ष 2026 भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिखाई देता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अमेरिका यात्रा, जी20 में भारत की सक्रिय भूमिका, ईओएस-05 जैसे अत्याधुनिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह की सफलता,विदेशी मुद्रा भंडार का रिकॉर्ड स्तर और आगामी 12-13 सितंबर 2026 नई दिल्ली ब्रिक्स शिखर सम्मेलन,ये सभी घटनाएं अलग-अलग दिखाई देती हैं,लेकिन वास्तव में इनके पीछे एक साझा कहानी है- भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल भागीदार नहीं, बल्कि प्रभावशाली शक्ति बनने की दिशा में सटीकता से आगे बढ़ रहा है।

साथियों, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की हालिया अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कूटनीति इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।सरकारी कार्यक्रम के अनुसार 25 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक कनाडा और अमेरिका की यात्रा के दौरान उन्होंने निवेशकों, कंपनियों और वित्तीय क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा अमेरिका में शिकागो, एशविले और न्यूयॉर्क का दौरा किया।एशविले में 31 अगस्त और 1 सितंबर को आयोजित जी 20 फाइनेंस मिनिस्टर्स एंड सेंट्रल बैंक गवर्नर्स बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना विशेष महत्व रखता है।इसका अर्थ यह है कि भारत वैश्विक आर्थिक संकटों पर प्रतिक्रिया देने वाला देश मात्र नहीं रहना चाहता,बल्कि वैश्विक आर्थिक नियमों, वित्तीय स्थिरता और विकास की दिशा तय करने वाली बातचीत में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। ऐसे समय में जब व्यापार तनाव, ऊर्जा कीमतों, ऋण संकट और भू-राजनीतिक संघर्षों ने वैश्विक निवेशकों के सामने अनिश्चितता बढ़ाई है, भारत का संदेश यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था दीर्घकालिक निवेश, उत्पादन और तकनीकी विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य बनी हुई है।इसका सीधा प्रभाव भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। जब वित्त मंत्री विश्व के बड़े निवेशकों के सामने भारत की आर्थिक क्षमता, निवेश अवसरों और वित्तीय क्षेत्र की संभावनाओं को प्रस्तुत करती हैं, तो इसका महत्व केवल कूटनीतिक नहीं होता। विदेशी संस्थागत निवेशक किसी बाजार में पैसा लगाने से पहले आर्थिक वृद्धि,मुद्रास्थिरता विदेशी मुद्रा भंडार राजकोषीय स्थिति,नीतिगत स्थिरता और कॉर्पोरेट संभावनाओं को देखते हैं।यदि इन मोर्चों पर विश्वास मजबूत होता है तो भारतीय इक्विटी बाजार में दीर्घकालिक विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ सकताहैहालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि शेयर बाजार लगातार ऊपर ही जाएगा। वैश्विक ब्याज दरें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें, युद्ध और व्यापार नीतियां भारतीय बाजार में अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। इसलिए भारत की कहानी मजबूत होने के बावजूद निवेशकों के लिए जोखिम प्रबंधन उतना ही महत्वपूर्ण रहेगा।

साथियों, इसी आर्थिक कहानी को भारत के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार ने और मजबूती दी है।28 अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11.475 अरब डॉलर बढ़कर 740.803 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां लगभग 600.67 अरब डॉलर और स्वर्ण भंडार लगभग 116.41 अरब डॉलर रहा। यह उपलब्धि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महज एक आंकड़ा नहीं है। विशाल विदेशी मुद्रा भंडार वैश्विक झटकों के सामने सुरक्षा- कवच की तरह काम करता है।यदि डॉलर मजबूत होता है, पूंजी बाजारों में अचानक निकासी होती है या तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार भारतीय रिजर्व बैंक को बाजार में व्यवस्थित हस्तक्षेप और रुपये में अत्यधिक अस्थिरता को नियंत्रित करने की क्षमता देता है। यही कारण है कि रिकॉर्ड रिजर्व भारतीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के मन में भारत की बाहरी वित्तीय स्थिरता को लेकर विश्वास बढ़ा सकता है।रुपये के संदर्भ में भी इसका महत्व अत्यंत बड़ा है। विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होने से बाजार में यह विश्वास पैदा होता है कि भारत के पास वैश्विक भुगतान दायित्वों और बाहरी झटकों से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सावधानी भी आवश्यक है,उच्च विदेशी मुद्रा भंडार अपने आप में रुपये को स्थायी रूप से मजबूत नहीं बनाता।कच्चे तेल का आयात, अमेरिकी डॉलर की वैश्विक मांग,ब्याज दरों का अंतर और पूंजी प्रवाह जैसे अनेक कारक रुपये की दिशा तय करते हैं। इसलिए रिकॉर्ड रिजर्व को भारत की वित्तीय ताकत का संकेत माना जाना चाहिए,न कि शेयर बाजार या मुद्रा में सटीकता से निश्चित तेजी की गारंटी।

साथियो, अब इस आर्थिक तस्वीर में अंतरिक्ष शक्ति को जोड़ना आवश्यक है। ईओएस -05 मिशन भारत की रणनीतिक और तकनीकी क्षमता के विस्तार का संकेत देता है। इसरो के अनुसार जीएसएलवी - एफ़ 17 ने ईओएस -05 को सब -जियोसिंचरोनास ट्रांसफर ओरबिट में स्थापित किया और ईओएस-05 भारत का पहला इमेजिग सटेलाइट है जिसे जियोसिंचरोनास ओरबिट से पृथ्वी अवलोकन के लिए डिजाइन किया गया है। लगभग 36,000 किलोमीटर की ऊंचाई वाले जियोसिंक्रोनस क्षेत्र में पृथ्वी अवलोकन की क्षमता का महत्व केवल सैन्य निगरानी तक सीमित नहीं है। इसका उपयोग मौसम, आपदा प्रबंधन,कृषि,पर्यावरण निगरानी और व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं में किया जा सकता है। इस तरह अंतरिक्ष तकनीक अब भारत की अर्थव्यवस्था का भी हिस्सा बन रही है।

साथियों यहां से अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए एक नया क्षेत्र खुलता है।यदि भारत पृथ्वी अवलोकन,संचार,नेविगेशन, लॉन्च सेवाओं, सैटेलाइट डेटा और अंतरिक्ष-आधारित सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है तो इससे निजी अंतरिक्ष कंपनियों, रक्षा- तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर,सेंसर,सॉफ्टवेयर और डेटा एनालिटिक्स कंपनियों के लिए नए बाजार बन सकते हैं। परिणाम स्वरूप भारतीय शेयर बाजार में केवल पारंपरिक बैंकिंग, आईटी या ऑटोमोबाइल कंपनियां ही नहीं, बल्कि स्पेस-टेक और डीप-टेक से जुड़ी कंपनियां भी भविष्य की निवेश कहानी का हिस्सा बन सकती हैं लेकिन ईओएस-05 की रणनीतिक अहमियत इससे भी आगे जाती है। आज दुनिया में युद्ध की प्रकृति बदल रही है। भविष्य के संघर्षों में जमीन, समुद्र और हवा के साथ अंतरिक्ष और साइबर क्षेत्र की भूमिका लगातार बढ़ सकती है। अमेरिका और चीन के बीच अंतरिक्ष क्षमता, उपग्रह नेटवर्क, संचार, नेविगेशन और पृथ्वी निगरानी को लेकर प्रतिस्पर्धा इसी बड़े बदलाव का संकेत है। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अंतरिक्ष को केवल वैज्ञानिक उपलब्धि न मानकर आर्थिक,रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा अवसंरचना के रूप में विकसित करे। यदि भारत ऐसा करता है तो अंतरिक्ष क्षेत्र विज़न 2047 की तकनीकी शक्ति का महत्वपूर्ण स्तंभ बन सकता है।

साथियों, इसी बीच 12 और 13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में होने वाला 18वां ब्रिक्स सम्मिट भारत की वैश्विक आर्थिक कूटनीति के लिए एक और बड़ा अवसर है। भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और उसका थीम बिल्डिंग फॉर रेसिलिन्स, इन्नोवेशन, कोआपरेशन एंड सस्टेएबिलिटी रखा गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार वर्षभर में 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इसका अर्थ है कि ब्रिक्स केवल नेताओं की एक शिखर बैठक नहीं, बल्कि व्यापार, वित्त, निवेश, तकनीक और विकास सहयोग का विस्तृत मंच बन रहा है।

साथियों,ब्रिक्स और जी 7 की तुलना करते समय इसे कौन जीता कौन हारा के सरल प्रश्न में सीमित करना उचित नहीं होगा।जी 7 के पास विकसित गतिशील अर्थव्यवस्थाओं वैश्विक वित्तीय संस्थानों तकनीकी कंपनियों और पूंजी बाजारों में भारी प्रभाव है, जबकि ब्रिक्स का महत्व उभरती गतिशील अर्थव्यवस्थाओं ऊर्जा प्राकृतिक संसाधनों बड़े उपभोक्ता बाजारों और ग्लोबल साउथ की आवाज से जुड़ा है। दोनों समूहों की ताकत अलग-अलग क्षेत्रों में है। असली बदलाव यह है कि विश्व अर्थव्यवस्था अब एकध्रुवीय ढांचे से अधिक बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। भारत के लिए यह परिस्थिति चुनौती के साथ- साथ असाधारण अवसर भी है।नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत को ग्लोबल साउथ और विकसित अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक सेतु के रूप में प्रस्तुत करने का अवसर देगा। यदि भारत व्यापार, डिजिटल भुगतान, स्थानीय मुद्राओं में कारोबार, ऊर्जा सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों, विकास वित्त, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आपूर्ति श्रृंखला सहयोग पर व्यावहारिक पहल आगे बढ़ाता है,तो इसका लाभ भारतीय कंपनियों को मिल सकता है। भारतीय बैंकों, डिजिटल भुगतान कंपनियों, इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों, ऊर्जा क्षेत्र, फार्मा, ऑटोमोबाइल, आईटी और विनिर्माण क्षेत्र के लिए नए बाजार खुल सकते हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भी भारत का आकर्षण केवल भारत में निवेश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत के माध्यम से वैश्विक बाजारों तक पहुंच का मॉडल बन सकता है।

साथियों भारतीय शेयर बाजार के लिए इन सभी घटनाओं का संयुक्त प्रभाव मनोवैज्ञानिक और वास्तविक दोनों हो सकता है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार बाजार को बाहरी झटकों के विरुद्ध भरोसा देता है; वैश्विक आर्थिक कूटनीति विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़ा सकती है; अंतरिक्ष और रक्षा तकनीक नए औद्योगिक अवसर पैदा कर सकते हैं; जबकि ब्रिक्स और जी 20 में भारत की सक्रियता भारतीय कंपनियों के लिए नए वैश्विक बाजारों के दरवाजे खोल सकती है। इसके साथ घरेलू उपभोग, बुनियादी ढांचा निवेश, विनिर्माण विस्तार और डिजिटल अर्थव्यवस्था जुड़ जाए तो भारत का इक्विटी बाजार दीर्घकाल में व्यापक विकास कहानी का प्रतिनिधि बन सकता है।

संपादकीय

इसरो का नया अध्याय

इस अंतरिक्ष एजेंसी के लिए यह भी आवश्यक है कि वह हर मामले में आत्मनिर्भर बने और अपनी उत्कृष्टता सिद्ध करती रहे, क्योंकि आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा बढ़ने वाली है। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा द्वीप पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने सफलता का एक नया अध्याय लिखा। यह देश के पहले इमेजिंग सैटेलाइट के लांच के रूप में सामने आया। यह एक अत्याधुनिक अर्थ इमेजिंग सैटेलाइट है। यह देश को रियल टाइम निगरानी और रणनीतिक डाटा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह सैटेलाइट भारत को ऐसी क्षमता से लैस करेगा, जिसकी आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। यह सैटेलाइट किसी क्षेत्र पर लगातार नजर रखने की क्षमता से लैस है। पृथ्वी से हजारों किमी ऊपर से यह सैटेलाइट भारतीय उपमहाद्वीप के साथ-साथ आसपास के सागरों और रणनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार निगाह रख सकेगा। यह बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवातों, जंगलों की आग, पर्यावरणीय बदलावों की निगरानी में भी सहायक होगा। इसीलिए इसे अंतरिक्ष में भारत की आंख कहा जा रहा है। इसकी महत्ता का अनुमान इससे भी लगाया जा सकता है कि इसके प्रक्षेपण के समय नौसेना और वायुसेना के अधिकारी श्रीहरिकोटा में मौजूद थे। स्पष्ट है कि इस सैटेलाइट का उपयोग केवल नागरिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने में भी मदद करेगा। इसरो की नवीनतम सफलता अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाती है। अंतरिक्ष में भारत की एक और छलांग का महत्व इससे बढ़ जाता है, क्योंकि कुछ समय से इसरो का भरोसेमंद राकेट पीएसएलवी लगातार नाकाम हो रहा था। इसके चलते इसरों की सैटेलाइट लांचिंग क्षमता को लेकर सवाल उठने लगे थे। यह अच्छा हुआ कि इसरो के विज्ञानियों ने इन सवालों का जवाब शानदार तरीके से दिया। इस सफल मिशन ने भारत की अंतरिक्ष एजेंसी को एक नई ऊर्जा प्रदान की है। इसके बाद भी यह ध्यान रहे कि इसरो को अभी कई चुनौतियों का सामना करना है। इनमें कई सैटेलाइट की लांचिंग के साथ गगनयान मानव अंतरिक्ष मिशन भी है। गगनयान का पहला मानव रहित मिशन इसी वर्ष के अंत तक प्रस्तावित है। चूंकि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए भी खोल दिया गया है, इसलिए इसरो के सामने एक अन्य चुनौती कुशल मानव संसाधन को बनाए रखने की भी है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इसरो बजट और संसाधनों की कमी के चलते प्रतिभाओं के अभाव का सामना न करने पाए, क्योंकि यदि ऐसा होता है तो महत्वपूर्ण अनुसंधान कार्यों पर विपरीत असर पड़ सकता है। इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए कि इसरो के भावी मिशन तय समय में पूरे हों। इस अंतरिक्ष एजेंसी के लिए यह भी आवश्यक है कि वह हर मामले में आत्मनिर्भर बने और अपनी उत्कृष्टता सिद्ध करती रहे, क्योंकि आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा बढ़ने वाली है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : स्वस्थ भारत की मजबूत नींव

(लेखक- सुनील कुमार महला / ईएमएस)

(राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर विशेष)।

हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 1 से 7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। शारीरिक विकास के लिए संतुलित आहार और उचित पोषण हर किसी के लिए बहुत आवश्यक है, फिर चाहे वह कोई बच्चा हो, बुजुर्ग हो या महिलाएं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पोषण केवल स्वास्थ्य का ही विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है। इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य आमजन को संतुलित आहार, उचित पोषण, कुपोषण की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। वास्तव में, यह सप्ताह हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि स्वस्थ नागरिकों से होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि पोषण हमारे शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास का आधार है। शरीर को ऊर्जा देने, रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, बच्चों के विकास तथा कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए पर्याप्त और संतुलित पोषण आवश्यक है। विशेष रूप से बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए उचित पोषण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भविष्य की उत्पादकता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ता है कुपोषण--

बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में बच्चों में कुपोषण की स्थिति अब भी गंभीर चिंता का विषय है।राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5(एनएफएचएस-5) के अनुसार, पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे ठिगनेपन से, 19.3 प्रतिशत बच्चे दुबलेपन/वेस्टिंग से और 32.1 प्रतिशत बच्चे कम वजन (अंडरवेट) की समस्या से प्रभावित हैं। इनमें 7.7 प्रतिशत बच्चे गंभीर वेस्टिंग से प्रभावित हैं। यूनिसेफ के 2025 के भारत संबंधी पोषण विवरण में भी लगभग 36 प्रतिशत बच्चों में बौनापन और 19 प्रतिशत में वेस्टिंग यानी कि लंबाई के अनुपात में वजन कम का उल्लेख किया गया है। यूनिसेफ के ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि कुपोषण केवल बच्चों के शारीरिक विकास को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता, सीखने की क्षमता और भविष्य की उत्पादकता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है।

बच्चों के समुचित विकास में चुनौती है कुपोषण--

वास्तव में हमारे देश में पोषण और संतुलित आहार की कमी आज भी बच्चों के समुचित विकास में बड़ी चुनौती है। यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर बच्चों को पोषण और संतुलित आहार की कमी के पीछे मुख्य कारण क्या हैं? तो इस प्रश्न का सीधा सा उत्तर यह है कि गरीबी, भोजन में विविधता की कमी, पोषण संबंधी जागरूकता का अभाव और असंतुलित खान-पान के कारण अनेक बच्चे आवश्यक प्रोटीन, विटामिन, खनिज और कैलोरी पर्याप्त मात्रा में नहीं ले पाते और इसका असर बच्चों की शारीरिक वृद्धि, मानसिक विकास और रोग-प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। कुपोषण के कारण बच्चों में वेस्टिंग (कम वजन), स्टंटिंग (कम लंबाई) और कम वजन जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। इसलिए बच्चों के लिए पौष्टिक, विविधतापूर्ण और संतुलित आहार सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

हम सभी ने छोटी कक्षाओं में अध्ययन करते हुए यह पढ़ा है कि संतुलित आहार में क्रमशः अनाज, दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, मेवे, बीज और पर्याप्त मात्रा में पानी शामिल होना चाहिए। वास्तव में, हमारे भोजन में विविधता जितनी अधिक होगी, शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलने की संभावना उतनी ही बेहतर होगी। इसके साथ ही अत्यधिक जंक फूड, नमक, चीनी और तले-भुने खाद्य पदार्थों के सेवन को सीमित करना भी जरूरी है। पाठक जानते हैं कि समय के साथ, पश्चिमी सभ्यता संस्कृति, समय का अभाव, गलत खानपान की आदतों,शहरी संस्कृति के कारण आज हमारे देश में जंक फूड, अधिक नमक, चीनी और तले-भुने खाद्य पदार्थों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। वास्तव में सच तो यह है आज स्वाद और सुविधा के कारण बच्चे पौष्टिक भोजन की जगह इन खाद्य पदार्थों को अधिक पसंद करने लगे हैं। इनका अत्यधिक सेवन मोटापा, मधुमेह और हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ा सकता है, इसलिए संतुलित आहार में फल, सब्जियां, दालें, अनाज, दूध और प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्वाद के साथ स्वास्थ्य का संतुलन ही स्वस्थ जीवन की सच्ची कुंजी है।

बदलती जीवनशैली के बीच बढ़ रहे स्वास्थ्य जोखिम--

हाल फिलहाल, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह केवल एक जागरूकता अभियान मात्र ही नहीं है, बल्कि यह कुपोषण के विरुद्ध सामूहिक संकल्प लेने का अवसर है। परिवार, विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य संस्थान और समाज मिलकर पोषण संबंधी सही जानकारी को जन-जन तक पहुंचा सकते हैं। बच्चों में शुरू से ही पौष्टिक भोजन की आदत विकसित करना उनके बेहतर भविष्य की नींव तैयार करता है। जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि आज जब बदलती जीवनशैली के कारण मोटापा, मधुमेह और अन्य जीवनशैली संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं, तब पोषण का महत्व और भी बढ़ जाता है। सही भोजन, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और स्वच्छता-ये सभी स्वस्थ जीवन के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

तो आइए, इस राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम स्वयं भी पौष्टिक एवं संतुलित आहार अपनाएंगे और अपने परिवार तथा समाज को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। क्योंकि सही पोषण ही स्वस्थ जीवन की पहचान है और जब हमारे देश के सभी नागरिक स्वस्थ होंगे तो हमारा देश भी निरंतर तरक्की और प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकेगा।

(सुनील कुमार महला, फीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यो से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गंध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निर्णायात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वतः ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो।

हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

विचार मंथन

जेन-जी से मोदी का संवाद, मेट्रो से दिल्ली यूनिवर्सिटी का सफर?

(लेखक- सनत जैन)

- होम्योपैथी की मीठी गोली और नाराज फूफा चर्चाओं में जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के छात्रों से सीधा संवाद किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा मेट्रो सफर से श्रीराम कॉलेज तक की हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने मेट्रो में छात्रों से मुलाकात की और उसके बाद छात्रों के बीच जाकर उनसे संवाद किया। छात्रों से मुलाकात के बीच पीएम मोदी का अंदाज वही था जो राहुल गांधी का था। राजनीति के पंडितों का कहना है, अब राहुल गांधी बिसात बिछा रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी को उस पर चलना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री के इस संवाद की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया दिल्ली और राजनीतिक हलकों में देखने को मिल रही है। दिल्ली यूनिवर्सिटी मे छात्र संघ के कुछ ही दिनों में चुनाव होना है। इसे एक चुनावी रैली के रूप में भी देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संवाद कार्यक्रम में जिस तरह से 2013 की घटनाओं का उल्लेख किया। छात्रों को बताया कि 2013 में क्या स्थिति थी आज उससे बहुत बेहतर स्थिति है, और 2047 तक भारत में बहुत बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत रिसर्च और इनोवेशन का दुनिया का सबसे बड़ा हब होगा। भारत में ओलंपिक का आयोजन होगा। उन्होंने छात्रों के साथ एक भविष्य का विजन रखा। श्रीराम कॉलेज की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने छात्रों से कहा, की पूर्व के छात्र ओजी हैं, जिन्होंने सारी दुनिया में धूम मचाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी उपलब्धियां बताई और 2013 की केंद्र सरकार पर हमले किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में स्मार्टफोन के उत्पादन और डिफेंस उत्पादन को लेकर छात्रों के सामने अपनी बात रखी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दलों पर हमला करते हुए कहा, देश में अलग प्रजाति के लोग हैं, हर चीज में वह नाराज फूफा बनते हैं। ऐसे सभी नाराज फूफा होम्योपैथी की एक मीठी गोली देते ही सामने आ गए हैं। उनका इशारा 15 अगस्त को लाल किले से दिए गए उस कथन की ओर था जिसमें उन्होंने दिमागी नक्सली को लेकर अपनी बात कही थी। श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के 100 साल पूरे होने पर यह कार्यक्रम हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी शाम को ट्रैफिक के समय गाड़ी से यदि कॉलेज जाते तो लंबा जाम लगता, इसको ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपनी यात्रा मेट्रो से की। मेट्रो में बच्चों और उनके माता-पिता से बात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संवाद चर्चा का विषय बन रहा है। इसके दो कारण हैं, एक तो वह राहुल गांधी जो करते हैं वही वह करने लगे हैं, इससे एक धारणा यह बन रही है कि अब राहुल गांधी की बिसात पर चलना उनकी मजबूरी हो गई है।

दूसरी जिस तरह से छात्रों के बीच राहुल गांधी जाकर उनकी बात सुनते हैं, छात्र गूंज के नाम से युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं। अब वही काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रियों को करना पड़ रहा है। इससे एक संदेश यह भी जा रहा है कि राहुल गांधी पहले की तुलना में ज्यादा मजबूत हुए हैं। केंद्र सरकार, भाजपा तथा मीडिया को अब पीछे चलना पड़ रहा है, जिसके कारण दिन-प्रतिदिन राहुल गांधी का कद बढ़ रहा है। यह राजनीतिक हल्कों में कहा जा रहा है। बहरहाल जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के बाद से सारे देश में प्रदर्शनों की बाढ़ आ गई है। छोटे-छोटे बच्चे, किसान एवं अन्य वर्ग के लोग भी अपनी बात मुखरता के साथ कहने सड़कों पर उतर रहे हैं। अपनी बात मनवाने के लिए धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे देश का माहौल बदल गया है। अब आंदोलनकारी आक्रामकता के साथ अपनी बात मनवा रहे हैं। दिल्ली में जिस तरह से दिल्ली पुलिस को दो एफआईआर दर्ज करनी पड़ी।

जिस तरह का दबाव आंदोलन और प्रदर्शन का पड़ रहा है, इसका असर अब न्यायपालिका और प्रशासन में भी देखने को मिलने लगा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि अब सभी की जवाबदेही तय होने लगी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था और मानव अधिकारों के लिए इसे एक अच्छे संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केला निर्यात बढ़ाने को एफडीआई में ढील, बागान क्षेत्र में उदार होंगे नियम?

-वाणिज्य मंत्रालय वाणिज्यिक फसलों को एफडीआई के दायरे में लाने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली ।

सरकार देश के बागान क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के नियमों को और उदार बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसका मुख्य लक्ष्य केले जैसी अन्य वाणिज्यिक फसलों को भी एफडीआई के दायरे में लाकर उनके निर्यात को बढ़ावा देना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस संबंध में विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श कर रहा है। वर्तमान में, चाय, कॉफी, रबड़, इलायची, पाम और जैतून के पेड़ों के बागानों में स्वत- मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है, जबकि अन्य बागान गतिविधियों को इससे बाहर रखा गया है। सरकार अब इस दायरे का विस्तार कर केले जैसी फसलों को शामिल करने की संभावनाएं तलाश रही है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा केला उत्पादक है, जहां सालाना तीन करोड़ टन से अधिक उत्पादन होता है, लेकिन वैश्विक निर्यात बाजार में इसकी हिस्सेदारी मात्र एक प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 37.75 करोड़ डॉलर मूल्य के केले का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष से 30 फीसदी अधिक था। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इसे एक अरब डॉलर तक पहुंचाना है। एफडीआई से प्रसंस्करण, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स में निवेश बढ़कर निर्यात लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक प्रमुख उत्पादक राज्य हैं, वहीं ईरान, इराक, यूएई जैसे मौजूदा बाजारों के अलावा अमेरिका, रूस और जापान में भी निर्यात की बड़ी संभावनाएं हैं।

निवेशकों के लिए डिविडेंड का बंपर मौका!

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार निवेशकों के लिए अगले सप्ताह कमाई का एक बड़ा अवसर लेकर आ रहा है। 7 सितंबर से 11 सितंबर के बीच लगभग 149 कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी, जिससे शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) प्राप्त करने का सुनहरा मौका मिलेगा। इस दौरान छोटी से लेकर दिग्गज कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश का तोहफा देंगी। खास बात यह है कि कुछ चुनिंदा कंपनियां निवेशकों को सामान्य के साथ-साथ स्पेशल डिविडेंड भी प्रदान करेंगी, जिससे उनकी कमाई में और इजाफा हो सकता है। इस सूची में फोर्स मोटर्स, अपार इंडस्ट्रीज, टीवीएस श्रीचक्र, एम्पायर इंडस्ट्रीज, एलएसडीएल, इरेडा, वारी एनर्जीज, कल्याण ज्वैलर्स और ज़ी एंटरटेनमेंट जैसी चर्चित कंपनियां शामिल हैं। 11 सितंबर को सर्वाधिक कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। निवेशकों के लिए यह अवधि अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने का अहम समय हो सकती है।

लक्जरी एसयूवी रेंज रोवर इलेक्ट्रिक भारतीय बाजार में पेश

नई दिल्ली ।

आखिरकार भारतीय बाजार में जगुआर लैंड रोवर ने अपनी प्रतिष्ठित लक्जरी एसयूवी रेंज रोवर का पहला बैटरी-इलेक्ट्रिक संस्करण रेंज रोवर इलेक्ट्रिक पेश कर दिया है। वैश्विक अनावरण के साथ ही, भारतीय ग्राहकों के लिए इसकी आधिकारिक बुकिंग भी शुरू कर दी गई है, जो इस इलेक्ट्रिक युग में ब्रांड के प्रवेश का प्रतीक है। यह कंपनी के 56 साल के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह ब्रांड का पहला ज़ीरो टेलपाइप एमिशन वाला मॉडल है, जो रेंज रोवर की विशिष्ट लक्जरी, दमदार परफॉर्मेंस और असाधारण ऑफ-रोड क्षमताओं को इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के साथ सिमलेस्ली जोड़ता है। इस नई इलेक्ट्रिक एसयूवी के दिल में एक विशाल 118.5 किलोवाट घंटा की बैटरी और एक एडवांस 800-वोल्ट आर्किटेक्चर है, जो एक बार चार्ज करने पर 600 किलोमीटर तक की प्रभावशाली क्लेम्ड रेंज देने में सक्षम है। इसे दो शक्तिशाली इलेक्ट्रिक मोटर्स के माध्यम से कुल 542 हॉर्सपावर और 850 न्यूटन-मीटर का जबरदस्त टॉर्क मिलता है, जिससे यह सिर्फ 4.5 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। चार्जिंग के मोर्चे पर भी यह बेहद सक्षम है; 350 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ, यह केवल 22 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। डिज़ाइन के मामले में, यह अपनी पेट्रोल-डीजल सिबलिंग से काफी मिलता-जुलता है, जबकि इसका इंटीरियर उच्च गुणवत्ता वाले मटेरियल, बड़ी डिस्प्ले और अत्याधुनिक फीचर्स से सुसज्जित है, जो इसे प्रीमियम इलेक्ट्रिक सेगमेंट में एक शक्तिशाली दावेदार बनाता है। यह प्रीमियम एसयूवी यूके के सोलिहुल प्लांट में निर्मित होकर पूरी तरह से आयात (सीबीयू) की जाएगी।

वैश्विक हलचल, कच्चा तेल और अमेरिकी महंगाई तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

विशेषज्ञों ने विदेशी निवेश और वैश्विक संकेतों पर भी नजर रखने की सलाह दी।

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की चाल पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष, कच्चे तेल की अस्थिर कीमतें और अमेरिका के आगामी मुद्रास्फीति आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों का मानना है कि इन वैश्विक घटनाक्रमों के साथ-साथ विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और अन्य वैश्विक संकेतों पर भी बाजार की गहरी नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक आंकड़े भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए महत्वपूर्ण उत्प्रेरक होंगे। बाजार के जानकारों ने कहा` कि इस सप्ताह बाजार वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर संवेदनशील रह सकता है। उन्होंने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रमों को महत्वपूर्ण बताया, क्योंकि इनका भारत की महंगाई, बाहरी संतुलन और कंपनियों की लाभप्रदता पर सीधा असर पड़ सकता है। एनरिच मनी के एक अे धिकारी ने जानकारी दी कि पिछले सप्ताह ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत में आठ प्रतिशत से अधिक और डब्ल्यूटीआई में नौ प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी चिंताओं ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में भू-राजनीतिक जोखिमों को बढ़ा दिया है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त, निवेशकों की नजर अमेरिका के उम्मीद से बेहतर रोजगार आंकड़ों के बाद फेडरल रिजर्व की सितंबर में होने वाली मौद्रिक नीति बैठक को लेकर बदलती उम्मीदों पर रहेगी। बाजार` विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका के आगामी महंगाई आंकड़े फेडरल रिजर्व की नीतिगत दिशा और वैश्विक बाजार धारणा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। ये आंकड़े अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और ब्याज दरों को लेकर उम्मीदों को भी प्रभावित करेंगे। घरेलू मोर्चे पर, विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह, रुपये की चाल और बाजार में नकदी की स्थिति पर भी नजर रखी जाएगी। पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 749.08 अंक यानी 0.96 प्रतिशत के नुकसान में रहा था, जबकि एनएसई निफ्टी 277.95 अंक यानी 1.14 प्रतिशत नीचे आया था, जो मौजूदा वैश्विक दबावों को दर्शाता है। विश्लेषकों का मानना है कि अगले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की चाल मुख्य रूप से इन प्रमुख वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करेगी।

सिंपल एनर्जी ने किया अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वेव लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में बेंगलुरु स्थित इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निर्माता सिंपल एनर्जी ने अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वेव लॉन्च कर दिया है। यह नया मॉडल कंपनी की सिंपल वन सीरीज से अलग है और इसे विशेष रूप से भारतीय परिवारों की आवागमन की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है, जहाँ यूटिलिटी, रेंज और स्टोरेज पर विशेष जोर दिया गया है। बेंगलुरु में इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 1,09,999 रखी गई है, जो इसे दैनिक पारिवारिक उपयोग के लिए एक आकर्षक और व्यावहारिक विकल्प बनाती है। सिंपल वेव चार अलग-अलग बैटरी विकल्पों में उपलब्ध है, जिसमें इसका टॉप वेरिएंट 243 किलोमीटर तक की प्रभावशाली आईडीसी (इंडियन ड्राइविंग साइकिल) रेंज का दावा करता है। हालांकि, ग्राहकों को अपनी नई वेव के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा, क्योंकि इसकी डिलीवरी 25 सितंबर 2026 से शुरू होने वाली है। इस स्कूटर की सबसे बड़ी खासियत इसकी विशाल स्टोरेज क्षमता है, जो कुल 70 लीटर तक है। इसमें 63 लीटर का अंडर-सीट स्पेस, 3 लीटर का ग्लव बॉक्स और एक अनोखा 4 लीटर का पिल स्टोरेज शामिल है, जो इसे इस सेगमेंट में अग्रणी बनाता है।

सुरक्षा के मोर्चे पर, इसकी बैटरी और मोटर दोनों को आईपी67 रेटिंग मिली है, जो धूल और पानी से प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। वेव एस वेरिएंट में 2.2 किलोवाट घंटा (110 किमी रेंज) और 2.7 किलोवाट घंटा (132 किमी रेंज) बैटरी विकल्प मिलते हैं, जबकि टॉप वेव+ वेरिएंट में 5 किलोवाट घंटा बैटरी के साथ 243 किमी की आईडीसी रेंज मिलती है। पीएमएसएम (परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर) मोटर बेस वेरिएंट में 4.5 किलोवाट और अन्य वेरिएंट में 6.4 किलोवाट पावर जनरेट करती है, जिससे इसकी टॉप स्पीड 90 किमी प्रति घंटा तक पहुँच जाती है।

एफपीआई ने सितंबर के पहले सप्ताह में निकाले 10,289 करोड़ रुपये

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार में 10,289 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। शुद्ध बिकवाली बाजार में लगाई गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है। तीन महीने लगातार पूंजी लगाने के बाद एफपीआई बाजार में बिकवाल दिखे हैं। इससे पहले अगस्त में उन्होंने 25,492 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। जुलाई में उन्होंने 40,031 करोड़ रुपये और जून में 4,669 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।सितंबर में अबतक एफपीआई ने इक्विटी में 7,443 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। डेट और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है यानी कम हुआ है जबकि म्यूचुअल फंड में वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे हैं।हाइब्रिड उपकरणों से एफपीआई सितंबर में अब तक 2,522 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। डेट से उन्होंने 390 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। वहीं म्यूचुअल फंड में एफपीआई ने 67 करोड़ रुपये लगाये हैं। मौजूदा कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने अब तक 1,57,639 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसमें अकेले इक्विटी से उन्होंने 2,31,886 करोड़ रुपये की निकासी की है। इस दौरान डेट और म्यूचुअल फंड में वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे हैं जबकि हाइब्रिड उपकरणों में उनके निवेश में कमी आयी है।

खाद्य तेलों का मिलाजुला रुख, कहीं उछाल तो कहीं गिरावट

आयातकों की लागत से नीचे बिकवाली से सोयाबीन तेल टूटा, औद्योगिक मांग ने पाम-पामोलीन को सहारा दिया

नई दिल्ली ।बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के दबाव में सोयाबीन तेल की कीमतों में गिरावट आई, वहीं औद्योगिक मांग बढ़ने से कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन के दाम में तेजी दर्ज की गई। घरेलू मंडियों में सोयाबीन तिलहन की कम आवक के चलते इसमें मामूली सुधार हुआ, जबकि सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जो दैनिक मांग (2.5-3 लाख बोरी) से काफी कम है। इसके बावजूद, आयातक बैंकों में अपने ऋण साख-पत्र चालू रखने के लिए लागत (125 रुपये/किलो) से लगभग 5 फीसदी नीचे, 118.50 रुपये/किलो पर सोयाबीन तेल बेच रहे हैं। यह उनकी गंभीर आर्थिक स्थिति दर्शाता है, जिसके चलते सोयाबीन तेल में गिरावट आई। ऊंची कीमतों पर कमजोर मांग से बिनौला तेल भी सस्ता हुआ। दूसरी ओर, बढ़ती औद्योगिक मांग और अन्य खाद्य तेलों से सस्ता होने के कारण पाम-पामोलीन में मजबूती देखी गई। ऊंचे दाम पर सुस्त कारोबार के बीच सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में स्थिरता बनी रही। बीते सप्ताह सरसों दाना 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 16,800 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,735-2,835 रुपये और 2,735-2,885 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 6,700-6,750 रुपये और 6,550-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।दूसरी ओर, आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,400 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 14,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 150 रुपये के सुधार के साथ 16,000 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 100 रुपये के सुधार के साथ 14,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

गोवा उज्ज्वला योजना 2026 के तहत पात्र परिवारों को सालाना मिलेंगे 3000 रुपए

बिना आय सीमा के एलपीजी/पीएनजी उपभोक्ताओं को मिलेगा सीधा लाभ

गोवा ।

गोवा सरकार ने अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए एक बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने आधिकारिक तौर पर गोवा उज्ज्वला योजना 2026 को हरी झंडी दे दी है, जिसके तहत राज्य के पात्र परिवारों को सालाना तीन घरेलू एलपीजी सिलेंडरों या पीएनजी के खर्च के बराबर 3000 रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जाएगी। इस योजना के तहत भुगतान 9 सितंबर से शुरू हो जाएगा। यह योजना मुख्यमंत्री द्वारा 2022 के गोवा विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए वादे का हिस्सा है, जिसमें लोगों को सालाना तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का भरोसा दिलाया गया था। सरकार सिलेंडर सीधे वितरित करने के बजाय, यह राशि सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित करेगी। सीएम ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी करने और आवश्यक दस्तावेज जमा करने वाले निवासियों को उनके खातों में राशि मिलनी शुरू हो जाएगी। इस योजना की सबसे खास बात यह है कि इसके लिए कोई आय सीमा नहीं रखी गई है, जिससे सामान्य और ओपन कैटेगरी के परिवार भी आवेदन कर सकते हैं। यह योजना सिर्फ एलपीजी सिलेंडर इस्तेमाल करने वालों के लिए नहीं, बल्कि घरेलू पाइप नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन का उपयोग करने वाले परिवारों को भी लाभ देगी। सरकारी कर्मचारियों को भी इस स्कीम से बाहर नहीं रखा गया है। आवेदन करने के लिए लाभार्थी अपने नजदीकी ग्राम पंचायत कार्यालय, नगर पालिका दफ्तर या स्थानीय विधायक कार्यालय से फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं और गैस कनेक्शन की कॉपी, आधार, बैंक पासबुक तथा वोटर आईडी के साथ जमा कर सकते हैं। प्रति परिवार केवल एक ही गैस कनेक्शन पर योजना का लाभ मिलेगा।

इंडस्ट्रीज का डबल धमाका- 60 रुपए लाभांश का प्रस्ताव

नई दिल्ली

कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति शेयर 60 रुपये लाभांश की घोषणा की; चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में नेट प्रॉफिट में 77.8 फीसदी की भारी बढ़ोतरी के कपावर ट्रांसमिशन सेक्टर की प्रमुख कंपनी अपार इंडस्ट्रीज ने अपने शेयरधारकों को दोहरी खुशी दी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 60 रुपये (फेस वैल्यू का 600त्न) लाभांश देने का प्रस्ताव किया है, जिस पर 21 सितंबर 2026 को होने वाली 37वीं सालाना आम बैठक (त्नरू) में मंजूरी ली जाएगी। इसके साथ ही, अपार इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भी शानदार वित्तीय परिणाम पेश किए हैं। खबर- अपार इंडस्ट्रीज ने लाभांश के लिए 14 सितंबर 2026 को रिकॉर्ड डेट तय की है। इस तारीख तक कंपनी के रजिस्टर में दर्ज शेयरधारकों को एजीएम की मंजूरी के बाद लाभांश का भुगतान किया जाएगा।

जनधन योजना में चुनौती- करोड़ों खाते निष्क्रिय, लाखों में नहीं है कोई राशि

आरटीआई से खुलासा; देश में 15 करोड़ से अधिक खाते निष्क्रिय

जयपुर ।

प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत वित्तीय समावेशन के प्रयासों को एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में एक आरटीआई (सूचना का अधिकार) के जवाब से खुलासा हुआ है कि देश में करीब हर चौथा जनधन खाता निष्क्रिय है, जबकि करोड़ों खातों में कोई राशि जमा नहीं है।

ये आंकड़े योजना की प्रभावशीलता और जमीनी स्तर पर इसके उपयोग पर सवाल खड़े करते हैं। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ को दी गई जानकारी के अनुसार, 12 अगस्त तक देशभर में पीएमजेडीवाई के कुल 59.03 करोड़ से अधिक खाते थे, जिनमें 3.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा थी। हालांकि, चिंताजनक बात यह है कि इन खातों में से 15.36 करोड़ खाते निष्क्रिय पाए गए। इसके अलावा, 5.72 करोड़ से अधिक खातों में कोई राशि जमा नहीं थी, यानी वे शून्य-बैलेंस वाले खाते हैं।

अगस्त, 2014 में वित्तीय समावेशन के राष्ट्रीय मिशन के रूप में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को बैंक खाते तक पहुंच प्रदान करना है।

टाटा मोटर्स का इटली के इवेको ग्रुप के लिए 34,000 करोड़ का अधिग्रहण ऑफर

3.82 अरब की डील से ग्लोबल मार्केट में बढ़ेगा दबदबा

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने वैश्विक वाणिज्यिक वाहन बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। कंपनी ने इटली की मशहूर कमर्शियल व्हीकल कंपनी इवेको ग्रुप को खरीदने के लिए एक ऑल-कैश वॉलंटरी टेंडर ऑफर पेश किया है। यह महत्वाकांक्षी अधिग्रहण लगभग 3.82 अरब यूरो (लगभग 34,000 करोड़ रुपये) का है, जिससे भारतीय ऑटोमोबाइल दिग्गज का वैश्विक दबदबा काफी बढ़ जाएगा। टाटा मोटर्स अपनी नीदरलैंड्स स्थित कंपनी टीएमएल सीवी हो ल्डिंग बीवी के माध्यम से इवेको ग्रुप के सभी शेयर खरीदने के लिए यह प्रस्ताव लेकर आई है। कंपनी ने इवेको के एक शेयर की कीमत 14.10 यूरो तय की है। इस सौदे को इटली के मार्केट रेगुलेटर कॉन्सॉब से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जो इसकी राह आसान करता है। टाटा मोटर्स और इवेको ग्रुप के संयुक्त बयान के अनुसार, यह टेंडर ऑफर 7 सितंबर से 26 अक्टूबर तक खुला रहेगा। इवेको ग्रुप के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इस सौदे को अपनी पूरी मंजूरी देते हुए शेयरधारकों से ऑफर स्वीकार करने की सिफारिश की है। इवेको की सबसे बड़ी शेयरधारक कंपनी एक्सोर, जिसके पास 27.06 फीसदी कॉमन शेयर और 43.19 फीसदी वोटिंग अधिकार हैं, उसने भी इस प्रस्ताव का समर्थन करने का वादा किया है। इस विलय के बाद वैश्विक कमर्शियल व्हीकल मार्केट में एक नया और मजबूत मंच तैयार होगा। अनुमान है कि संयुक्त इकाई की सालाना बिक्री 5,90,000 यूनिट्स से अधिक और कुल राजस्व लगभग 21 अरब यूरो (लगभग 2.28 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) होगा। खास बात यह है कि दोनों कंपनियों के कारोबार और भौगोलिक मौजूदगी में कोई टकराव नहीं है, जिससे एसवायएनइआरजीवाय का पूरा लाभ मिलेगा। नई इकाई के राजस्व का वितरण काफी संतुलित होगा, जिसमें यूरोप से लगभग 46 फीसदी, भारत से करीब 32 फीसदी, दक्षिण अमेरिका से 8 फीसदी और बाकी दुनिया के बाजारों से लगभग 14 फीसदी राजस्व आने की उम्मीद है। यह एकीकरण दोनों कंपनियों को लागत और अनुसंधान खर्चों को बड़े पैमाने पर साझा करने, परिचालन क्षमता में सुधार करने और कमर्शियल व्हीकल सेक्टर के उतार-चढ़ाव से निपटने में मदद करेगा। सौदे को पूरा करने के लिए कम से कम 95 फीसदी कॉमन शेयरों की मंजूरी आवश्यक है, हालांकि कुछ शर्तों के तहत यह 80 फीसदी तक घट सकती है।

प्रोसेसर्स की रेट वृद्धि पर FOSTTA और SGTPA की महत्वपूर्ण बैठक

सोमवार को SGTPA सदस्यों की विशेष बैठक,आपसी समन्वय से समाधान निकालने पर जोर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, 5 सितंबर। प्रोसेसर्स द्वारा की गई रेट वृद्धि को लेकर शनिवार को फेडरेशन ऑफ सूरत ट्रेड एंड टेक्सटाइल एसोसिएशन (FOSTTA) एवं साउथ गुजरात टेक्सटाइल प्रोसेसर्स एसोसिएशन (SGTPA) के पदाधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में FOSTTA की ओर से अध्यक्ष हंसराज जैन, महामंत्री दिनेश कटारिया, संगठन महामंत्री गिरीश मित्तल, डायरेक्टर सुरेश मोदी, महेंद्र भायल एवं मुकेश केवलानी उपस्थित रहे। वहीं SGTPA की ओर से अध्यक्ष जीतू वखारिया कमल तुलसियान एवं मितुल मेहता शामिल हुए। बैठक में FOSTTA ने व्यापारियों से प्राप्त रेट वृद्धि संबंधी शिकायतों, सुझावों और चिंताओं को SGTPA के समक्ष र

दोनों संगठनों के प्रतिनिधियों ने मौजूदा व्यापारिक परिस्थितियों और टेक्सटाइल व्यापार के विभिन्न घटकों के बीच सामंजस्य को लेकर विस्तार से चर्चा की।

SGTPA पदाधिकारियों ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए निर्णय लिया कि सोमवार को SGTPA अपने सदस्यों की विशेष बैठक आयोजित करेगा। इसमें FOSTTA द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक के बाद दोनों संगठनों के बीच आपसी समन्वय के माध्यम से उचित समाधान निकालने और व्यापारिक हितों को ध्यान में रखते हुए सामंजस्य स्थापित करने पर जोर दिया गया।

सितंबर में आईपीओ का महासंग्राम, बाजार में 7,055 करोड़ की हलचल

7 से 15 सितंबर के बीच खुलेंगे 11 कंपनियों के निर्गम

नई दिल्ली ।

भारतीय प्राथमिक बाजार में एक बार फिर जोरदार हलचल मचने वाली है। आगामी 7 से 15 सितंबर के बीच 11 कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ बाजार में उतरेंगी, जिनका लक्ष्य कुल 7,055 करोड़ रुपये जुटाना है। यह आईपीओ की भीड़ निवेशकों के लिए नए अवसर लेकर आएगी और बाजार में उत्साह का संचार करेगी। येस सिक्योरिटीज के अनुसार, एक साथ इतने आईपीओ आना इस बात का संकेत है कि निवेशक शुरुआती चरण की वृद्धि वाली कंपनियों में हिस्सेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। इन निर्गमों में रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, भुगतान समाधान, विशेष रसायन और ऑनलाइन किराये जैसे विविध क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं। कुल जुटाई जाने वाली राशि में से 39 फीसदी (2,722 करोड़) नए शेयर जारी कर सीधे कंपनियों के खाते में जाएगी। इस राशि का उपयोग मुख्य रूप से कारोबार विस्तार, पूंजीगत व्यय, कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। वहीं, 61 फीसदी (4,333 करोड़) मौजूदा निवेशकों द्वारा बिक्री पेशकश के माध्यम से जुटाई जाएगी। इस अवधि में आने वाले प्रमुख आईपीओ में रेंटोमोजो (1,256 करोड़ रुपए), कनोहर इलेक्ट्रिकल्स (1,056 करोड़) और करमतारा इंजीनियरिंग (875 करोड़) शामिल हैं। रेंटोमोजो का आईपीओ इस सप्ताह का सबसे बड़ा निर्गम होगा। इसके अलावा प्रणव कंस्ट्रक्शंस, प्रसोल केमिकल्स, मणिपाल पेमेंट एंड आइडेंटिटी सॉल्यूशंस और वीगालैंड डेवलपर्स सहित कई अन्य कंपनियां भी अपने आईपीओ लेकर आ रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोहम्मद शमी की वनडे टीम में हो सकती है वापसी

दिलीप ट्रॉफी फाइनल पर चयनकर्ताओं की नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वनडे टीम में वापसी का रास्ता खुल सकता है. भारत को 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है और इस सीरीज के लिए टीम चयन के दौरान शमी के नाम पर भी चर्चा हो सकती है. इसकी बड़ी वजह भारत के कई प्रमुख तेज गेंदबाजों का उस समय एशियन गेम्स के लिए जापान में होना है.

एशियन गेम्स में होंगे भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज – जापान में 19 सितंबर से एशियन गेम्स शुरू होने हैं. इसी दौरान भारतीय टी20 टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी. भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा एशियन गेम्स की टीम का हिस्सा होंगे. वहीं 27 सितंबर से भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज शुरू होनी है. ऐसे में बुमराह, अर्शदीप और हर्षित के वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम का हिस्सा बनने की संभावना नहीं है. इससे चयनकर्ताओं को तेज गेंदबाजी विभाग में दूसरे विकल्पों की तरफ देखना होगा.

शमी ने फिटनेस को लेकर दिया जवाब – प्मोहम्मद शमी पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस को लेकर सवालों के घेरे में रहे हैं. मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर भी उनकी फिटनेस को लेकर बयान दे चुके हैं.

सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार रेस में

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए तेज गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार का नाम सामने आ रहा है. हालांकि चयनकर्ता अगर टीम में चार तेज गेंदबाज रखना चाहते हैं तो मोहम्मद शमी एक मजबूत विकल्प बन सकते हैं. शमी के पक्ष में सबसे बड़ी बात उनका अनुभव है. बुमराह की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम के पास तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभव के ज्यादा विकल्प मौजूद नहीं होंगे. ऐसे में शमी की वापसी टीम के पेस अटैक को मजबूती दे सकती है.

मोड्रिक ने संन्यास की अटकलों पर लगाया विराम

नेशंस लीग में खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मिलान लुका मोड्रिक ने क्रोएशिया के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलना जारी रखने का फैसला किया है। इसी के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें अनुभवी मिडफील्डर के नेशनल टीम से संन्यास लेने के कयास लगाए जा रहे थे। क्रोएशियाई फुटबॉल फेडरेशन (एचएनएस) ने शनिवार को पुष्टि की है कि मोड्रिक चेक रिपब्लिक, स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम का हिस्सा होंगे। यह फैसला मोड्रिक के हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व करने के बाद आया है, जहां उनकी टीम को राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर संदेह पैदा हो गया था, खासकर इसलिए क्योंकि यह मिडफील्डर सितंबर में 41 साल का होने वाला है। हालांकि, नए नियुक्त हेड कोच स्लेवेन बिलिच और एचएनएस अध्यक्ष मारिजन कुस्टिक के साथ बातचीत के बाद मोड्रिक ने क्रोएशिया के आगामी आधिकारिक मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। एसी मिलान का यह मिडफील्डर क्रोएशिया के लिए एक अहम खिलाड़ी बना हुआ है, जिसने अपने देश के लिए 202 मैच खेले हैं। वह लगभग दो दशकों से नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और फीफा वर्ल्ड कप 2018 में क्रोएशिया के सफल सफर के दौरान उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी, जब टीम रनर-अप रही थी। बिलिच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, स्वाभाविक रूप से, लुका के फैसले से मुझे बेहद खुशी हुई है। हम सभी जानते हैं कि वह मैदान के अंदर और बाहर क्रोएशिया को क्या दे सकते हैं। मैं 14 साल बाद उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्साहित हूं। हम दोनों का एक ही मकसद है - क्रोएशिया को टॉप टीमों में बनाए रखना, जीत हासिल करना और दुनिया की बेहतरीन टीमों के बराबर लाना। मोड्रिक ने एसी मिलान के साथ अपना क्लब करियर भी जारी रखा है। इस मिडफील्डर ने हाल ही में इटैलियन क्लब के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट जून 2027 तक बढ़ा दिया है। क्रोएशिया के दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने राष्ट्रीय टीम के साथ अपना सफर जारी रखने का फैसला किया है। इस फैसले के साथ उन्हें अब अपने 202 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा, साथ ही वह यूरोपीय फुटबॉल के सबसे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियरों में से एक को और लंबा कर सकेंगे। मोड्रिक ने साल 2006 में क्रोएशिया के लिए सीनियर डेब्यू किया था और तब से वह टीम के अहम खिलाड़ी बने हुए हैं।

सीपीएल 2026

सुनील नरेन का चला जादू, त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने बारबाडोस को 35 रन से हराया

बारबाडोस, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 27वां मुकाबला किंग्सटन ओवल, ब्रिजटाउन में खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स और त्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। त्रिनबागो ने 35 रन से मैच जीता। बारबाडोस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 6 विकेट पर 147 रन बनाए थे। कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। किरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन बनाए थे। बारबाडोस के लिए गुडाकेस मोती ने 3, मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट लिए। 148 रन के सामान्य लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। बारबाडोस 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई और 35 रन से मैच हार गई। जैकरी कार्टर और शरफेन रदरफोर्ड ने 21-21 रन बनाए। इसके अलावा, डेनियल सैम्स ने 17, ब्रैंडन किंग्स और सैड्रैक डेसकार्टेस ने 16-16 रन बनाए। क्विंटन डि कॉक और रिवाल्डो क्लार्क जैसे बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहतरीन और मैच विजयी स्पेल फेंका। नरेन ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, जेड गुली ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट लिया।

सुनील नरेन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया

त्रिनबागो नाइट राइडर्स की सीजन के नौवें मैच में यह तीसरी जीत थी। 6 अंकों के साथ टीम छठे स्थान पर है। वहीं, बारबाडोस की सीजन के छठे मैच में यह चौथी हार थी। 4 अंक के साथ बारबाडोस आखिरी (सातवें) स्थान पर है। एंटिगुआ एंड बरबुडा फॉल्कंस 9 मैचों में 5 जीत के साथ 11 अंक लेकर पहले स्थान पर है।

रुमेश पथिरगे ने रचा इतिहास, डायमंड लीग खिताब जीतने वाले पहले श्रीलंकाई बने

ब्रसेल्स, एजेंसी। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा पथिरगे ने इतिहास रच दिया है। वह डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले श्रीलंकाई बन गए हैं। दुनिया के नंबर 1 जेवलिन थ्रोअर रुमेश ने ब्रसेल्स के किंग बाउडौइन स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में खिताब जीत सीजन का अंत शानदार और यादगार अंदाज में किया। 23 साल के इस खिलाड़ी ने किंग बाउडौइन स्टेडियम में अपनी तीसरी कोशिश में 89.04 मीटर की बड़ी दूरी तय करके जीत पक्की की। पोलैंड के डेविड वेगनर 87.47 मीटर दूसरे स्थान पर रहे। पूर्व ओलंपिक चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने सीजन का सबसे अच्छा थ्रो फेंका और 83.99 मीटर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 83.70 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे। जीत के बाद रुमेश ने कहा, 'मैं डायमंड लीग फाइनल जीतने वाला पहला श्रीलंकाई हूं और इससे मुझे बहुत गर्व है। मैं डायमंड लीग में मुकाबला करने के लिए बहुत उत्सुक था और मैं बहुत खुश हूं कि मुझे फाइनल में जीत मिली। मुझे पता है कि मैं आज 89.04 से कहीं बेहतर कर सकता था, लेकिन हालात मुश्किल थे। मुझे बहुत ज्यादा तापमान की आदत है। मैं अगले कुछ सालों में अटैक करने और मीटिंग रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करूंगा।' इस जीत ने श्रीलंकाई खिलाड़ी के लिए एक शानदार डायमंड लीग कैंपेन पूरा किया, जो सीजन के दौरान शानदार प्रदर्शन के बाद सर्किट लीडर के तौर पर फाइनल में पहुंचे थे। श्रीलंकाई स्टार ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें उनके पांच डायमंड लीग मैचों में से चार में जीत मिली है। वह रबात में अपनी सीरीज में डेब्यू करते हुए दूसरे नंबर पर रहे, लेकिन रोम और ज्यूरिख दोनों जगह उन्होंने 92 मीटर से ज्यादा फेंका, और अब तक के टॉप टेन थ्रोअर में शामिल हो गए। रोम में श्रीलंकाई खिलाड़ी की 92.62 मीटर की वर्ल्ड लीड ने उन्हें इस सीजन में वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने में मदद की है। 2022 में चैंपियन रहे भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा ने इंजरी की वजह से फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था।

साई ने झटके

5 विकेट

साई किशोर की बेहतरीन गेंदबाजी, ग्लॉस्टरशायर की डर्बीशायर पर रोमांचक जीत

ब्रिस्टल, एजेंसी। आर साई किशोर (5 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ग्लॉस्टरशायर ने रॉथसे काउंटी चैंपियनशिप डिविजन दो मैच के बेहद रोमांचक अंत में डर्बीशायर को 213 रन से हरा दिया। सीट यूनिक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ग्लॉस्टरशायर के इस विदेशी खिलाड़ी ने 18 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। 319 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही बेबस डर्बीशायर की टीम आखिरी सत्र में 39 ओवर के अंदर केवल 105 रन पर सिमट गई। एड मिडलटन ने 17 रन देकर 2 विकेट और ओली प्राइस ने 59 रन देकर 3 विकेट लिए। डर्बीशायर के सभी 10 विकेट स्पिन गेंदबाजो ने झटके। यह घरेलू टीम के लिए किस्मत में शानदार बदलाव था, क्योंकि मैच के पहले दिन उसका स्कोर पांच विकेट पर मात्र 37 रन था। इससे पहले ग्लॉस्टरशायर ने अपनी दूसरी पारी में 210 रन और जोड़े। माइल्स हैमंड ने 118 और जेम्स ब्रेसी ने नाबाद 104 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 165 रन की बड़ी साझेदारी की और ग्लॉस्टरशायर ने 5 विकेट पर 359 रन बनाकर पारी घोषित की। ब्रेसी 2007 में ग्लॉस्टर के आकर्डेकन मीडो में एलेक्स गिडमैन के बाद प्रथम श्रेणी मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले खिलाड़ी बने। तालिका में सबसे नीचे चल रही ग्लॉस्टरशायर ने 19 अंक हासिल किए और लगातार छह हार का सिलसिला समाप्त किया। इस सीजन में उसकी दोनों जीत डर्बीशायर के खिलाफ ही आई हैं। ब्रिस्टल से डर्बीशायर को सिर्फ़ चार अंक मिले और टीम को भारी निराशा के साथ लौटना पड़ा। जब ग्लॉस्टरशायर ने 3 विकेट पर 149 रन से आगे खेलना शुरू किया, तब डर्बीशायर को जल्दी विकेट लेने की ज़रूरत थी। लेकिन फील्डिंग में उससे कई गलतियां हुईं। शोएब बशीर ने अपनी ही गेंद पर ब्रेसी का कैच छोड़ दिया, तब उनका स्कोर सिर्फ 5 रन था। वहीं मैट मॉन्टगोमरी ने वापसी का कैच हाथ से निकाल दिया और हैमंड को 77 रन पर जीवनदान मिल गया। ग्लॉस्टरशायर की चौथे विकेट की जोड़ी ने इसका पूरा फ़ायदा उठाया और 143 गेंदों में शतकीय साझेदारी कर मैच पर अपना दबदबा बना लिया। ब्रेसी ने 75 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

ग्लॉस्टरशायर ने डर्बीशायर को 9 विकेट से हराया

वहीं हैमंड ने जैक मॉर्ली की गेंद को फाइन लेग की ओर खेला और दो रन लेकर 182 गेंदों में इस सीजन का अपना तीसरा और करियर का आठवां प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। डर्बीशायर ने नई गेंद ली और तेज़ गेंदबाज़ बेन एटचिसन और ब्रेट रैंडेल को दोबारा गेंदबाज़ी पर लगाया। लेकिन ब्रेसी और हैमंड ने लंच तक स्कोर को 3 विकेट पर 268 रन तक पहुंचा दिया। ग्लॉस्टरशायर को सुरक्षित स्थिति में पहुंचाने के बाद हैमंड ने मार्टिन एंडरसन की गेंद को मिडविकेट की ओर खेला, जहां मॉन्टगोमरी ने उनका कैच पकड़कर उनकी पारी ख़त्म कर दी। हैमंड ने समझदारी से डिफेंस और आक्रमण का अच्छा संतुलन बनाकर बल्लेबाजी की थी। इसके बाद ब्रेसी भी तीन अंकों तक पहुंच गए। उन्होंने 143 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से इस सीज़न का अपना पांचवां शतक पूरा किया और टीम ने पारी घोषित कर दी। इसके साथ ही वह 1919 में हैरी स्मिथ के बाद एक मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले विकेटकीपर भी बने। डर्बीशायर को जीत के लिए लगभग सात रन प्रति ओवर की दर से रन बनाने थे, लेकिन उसकी कोशिश जीत से ज़्यादा मैच बचाने तक ही सीमित रही। ग्लॉस्टरशायर ने दोनों छोर से स्पिन गेंदबाज़ी शुरू की और बल्लेबाज़ के आसपास क़रीबी फ़ील्डर लगा दिए।

हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, पूरी पारी के दौरान संघर्ष किया: फातिमा सना

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई पाकिस्तान को भारत के खिलाफ शनिवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए विमेंस एशिया कप 2026 के 9वें मुकाबले में 7 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने स्वीकार किया है कि उनकी टीम की बल्लेबाजी खराब रही और पूरी पारी के दौरान टीम ने संघर्ष किया। पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया, लेकिन ये निर्णय टीम पर भारी पड़ गया और पाकिस्तानी टीम 18.1 ओवरों में सिर्फ 55 रन पर सिमट गई। आलम ये रहा कि पाकिस्तान के सिर्फ 2 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सकीं। चार खिलाड़ी अपना खाता तक नहीं खोल सकीं। पहले बल्लेबाजी करने के फैसले पर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई पूरी पारी के दौरान हमने संघर्ष किया। हमें पता था कि विकेट ताजा है और हम अधिक से अधिक रन बनाना चाहते थे। हमें भरोसा था कि हमारी गेंदबाजी इकाई अच्छी है। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने 8.4 ओवरों में 7 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान के लिए तीनों विकेट फातिमा सना (3 ओवरों में 17 रन देकर 3 विकेट) हासिल किए। कप्तान सना निजी उपलब्धि से ज्यादा टीम की जीत को तरजीह देती हैं। उन्होंने कहा, मैंने तीन विकेट लिए, लेकिन फिर भी हम मैच हार गए, इसलिए इसका कोई मायने नहीं है। हमें जीत की जरूरत थी, इसलिए तीन विकेट लेने से कोई फर्क नहीं पड़ता। पाकिस्तानी टीम 2 में से 1 मैच गंवाने के बावजूद ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर मौजूद है। अब पाकिस्तानी टीम 7 सितंबर को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में हांगकांग, चीन का सामना करेगी। ग्रुप-ए से भारत ने पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना ली थी। अब पाकिस्तान (-0.569), थाईलैंड (-2.050) और हांगकांग, चीन (-3.575) क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर हैं। यानी अगला मैच पाकिस्तान के लिए निर्णायक होगा। इस मुकाबले को लेकर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हम वहां अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे, और आखिरी मैच में हम जीतने और फाइनल (नॉकआउट) में जाने की कोशिश करेंगे।

इतिहास में पहली बार एक साथ खेलेंगे रोनाल्डो और मेसी? जानें कब होगा मैच

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी 37 बार एक दूसरे के खिलाफ खेले हैं, लेकिन अब इतिहास में पहली बार एक टीम के लिए खेल सकते हैं. कार्लोस टेवेज इसकी योजना बना रहे हैं, जो दोनों के टीममेट रहे हैं. पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी फुटबॉल जगत के दो बड़े सितारे हैं. लगभग 15 सालों तक, उनकी प्रतिद्वंद्विता ने वर्ल्ड फुटबॉल में एक दौर को परिभाषित किया, खासकर ला लीगा में, जहां रोनाल्डो रियल मैड्रिड और मेसी बार्सिलोना के लिए खेलते थे. लेकिन अब इतिहास में पहली बार दोनों एक साथ, एक टीम के लिए खेल सकते हैं. दोनों के टीममेट रह चूके कार्लोस टेवेज ने एक खास इवेंट की योजना बनाई है. टीवाईसी स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टेवेज ने बोका जूनियर्स के प्रेसिडेंट जुआन रोमन रिकेल्मे से 'ला बॉम्बोनेरा' में मैच कराने के बारे में बात की है. रिकेल्मे ने इसके लिए हामी भर दी है, जो टेवेज के साथ खेल चुके हैं. क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी में से कौन सबसे महान है, इस पर सालों से बहस होती रही है. नेशनल और क्लब लेवल पर दोनों दिग्गज 37 बार आमने सामने हो चुके हैं, हालांकि कभी दोनों एक टीम के लिए नहीं खेले. दोनों ने मिलकर 13 बैलन डी 'ओर जीते हैं.

दिसंबर में होगा मैच!

बोका जूनियर्स के लिए अपना प्रोफेशनल करियर शुरू करने वाले टेवेज ने 2021 में फुटबॉल से संन्यास ले लिया था. अब 5 साल बाद वह अपने फेयरवेल मैच की तैयारी कर रहे हैं. रिकेल्मे द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद अधिकारी अब मैच की तारीख को तय करने पर काम कर रहे हैं. संभावना है कि ये मैच दिसंबर में होगा, जिससे बोका जूनियर्स का शेड्यूल प्रभावित न हो.

यूएस ओपन 2026 ▶ कोको गॉफ ने क्रिस्टीना बुच्सा को हराया, चौथे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने US Open 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्पेन की क्रिस्टीना बुच्सा को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हरा दिया। इस जीत के साथ चौथी वरीयता प्राप्त गॉफ ने लगातार पांचवीं बार US Open के चौथे दौर में जगह बना ली है। उनकी लगातार जीत का सिलसिला अब 9 मैचों तक पहुंच गया है।

बुच्सा ने शुरुआत में गॉफ को दिया झटका – आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले की शुरुआत गॉफ के लिए आसान नहीं रही। बुच्सा ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले सेट में 3-1 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, गॉफ ने जल्द ही लय हासिल की और अगले छह में से पांच गेम अपने नाम कर लिए। उन्होंने एक शानदार सर्व के साथ पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया, जिसका बुच्सा के पास कोई जवाब नहीं था।

दूसरे सेट में भी कांटे की टक्कर – दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गॉफ ने 4-3 की बढ़त के लिए बुच्सा की सर्विस तोड़ी, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद गॉफ ने मैच के आखिरी आठ अंक लगातार जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया और अंतिम-16 में पहुंच गईं।

सर्विस में परेशानी के बावजूद गॉफ का दबदबा

गॉफ का यह प्रदर्शन पूरी तरह बेदाग नहीं रहा। उन्होंने अपनी पहली सर्विस का आधे से भी कम हिस्सा कोर्ट में डाला और छह डबल फॉल्ट किए। इसके बावजूद जब उनकी पहली सर्विस लगी तो वह बेहद प्रभावी रहीं। उन्होंने पहली सर्विस पर 27 में से 20 अंक जीते। गॉफ ने 9 में से 4 ब्रेक पॉइंट कन्वर्ट किए और नेट पर 22 में से 15 अंक अपने नाम किए। उनकी शानदार डिफेंस और कोर्ट पर तेज मूवमेंट एक बार फिर निर्णायक साबित हुई।

दिन के हालात में शुरुआत में हुई परेशानी

गॉफ ने माना कि दिन के समय खेले गए मुकाबले की परिस्थितियों में उन्हें शुरुआत में लय हासिल करने में परेशानी हुई थी। हालांकि, मैच आगे बढ़ने के साथ उन्होंने खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल लिया। गॉफ ने कहा, 'वह एक मुश्किल खिलाड़ी हैं। वह कभी खेल की गति तेज कर सकती हैं और कभी धीमी। इसलिए मेरे लिए लय हासिल करना मुश्किल था, लेकिन मैं खुश हूं कि जब मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस नहीं खेल रही थी, तब भी मैंने मुकाबला लड़कर जीत हासिल की।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सैन्य परिसर के अंदर जोरदार विस्फोट, 10 की मौत, 60 से ज्यादा घायल; आखिर कैसे हुआ इतना बड़ा धमाका

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश बोलिविया में शुक्रवार को एक सैन्य परिसर में हुए जोरदार विस्फोट ने भारी तबाही मचा दी। स्थानीय स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का के मुताबिक, हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए। हालांकि, मृतकों की संख्या बढ़कर 15 तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। विस्फोट स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:30 बजे वियाचा स्थित सैन्य परिसर में हुआ। यह इलाका बोलिविया की राजधानी ला पाज से करीब 30 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों के अनुसार, धमाका उस हिस्से में हुआ जहां आतिशबाजी और पायरोटेक्निक सामग्री रखी गई थी। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विस्फोट की शुरुआत किस वजह से हुई। अधिकारियों ने बताया कि परिसर में रक्षा मंत्रालय के भंडार में रखी आतिशबाजी मौजूद थी। स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का ने बताया कि 62 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई थी और मृतकों की संख्या 15 तक पहुंच सकती है। घायल लोगों में से 14 को इलाज के लिए ला पाज के अस्पतालों में ले जाया गया। इनमें एक बच्ची भी शामिल थी, जो तीसरी डिग्री तक जल गई। पुलिस के अनुसार, 50 से ज्यादा लोग घायल हुए और विस्फोट की वजह से आसपास के दर्जनों घरों को नुकसान पहुंचा। धमाके की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि कई घरों की खिड़कियां टूट गईं।

अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट करेंगे यूरोपीय देश: पांच देशों में होगा समझौता; क्या विदेश में बनेंगे वापसी केंद्र

कोपेनहेगन, एजेंसी। यूरोप में अवैध प्रवासियों और बिना कानूनी अनुमति के रह रहे लोगों पर शिकंजा कसने की तैयारी तेज हो गई है। डेनमार्क की मेजबानी में हुई बैठक में जर्मनी, ऑस्ट्रिया, ग्रीस, डेनमार्क और नीदरलैंड के समूहों ने बड़ा कदम उठाया है। इन पांच देशों ने यूरोपीय संघ से बाहर के किसी देश में रिटर्न हब (प्रवासी वापसी केंद्र) बनाने को लेकर ठोस सहमति जताई है। जर्मनी के गृह मंत्री एलेक्जेंडर डोब्रिंड ने कोपेनहेगन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इन देशों का लक्ष्य इसी साल ऐसे तीसरे देशों के साथ समझौते को अंतिम रूप देना है। हालांकि, अभी उन देशों के नामों का खुलासा नहीं किया गया है जहां ये केंद्र बनाए जाएंगे। यूरोपीय संसद ने जून में नई प्रवासन नीति को मंजूरी दी थी। इस योजना को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है। काउंसिल ऑफ यूरोप ने इन केंद्रों को मानवाधिकारों के लिए जोखिम भरा बताया है। वहीं, डेनिश रिफ्यूजी काउंसिल की महासचिव शार्लोट स्लेंटे का कहना है कि इससे प्रवासियों के खतरनाक रास्ते नहीं रुकेंगे। डेनमार्क के आव्रजन और एकीकरण मंत्री मोर्टेन बोद्सकोव ने उम्मीद जताई है कि साल 2027 के अंत तक प्रवासियों को भेजने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस पूरी योजना पर चर्चा के लिए यह समूह सितंबर के अंत में जर्मनी के म्यूनिख में फिर बैठक करेगा।

रूस-यूक्रेन जंग में बढ़ी हलचल: कीव के बाद मॉस्को भी जाएंगे अमेरिकी दूत; क्या निकलेगा शांति का रास्ता

कीव, एजेंसी। अमेरिका के अधिकारी स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इस सप्ताहांत मॉस्को जाएंगे। इसके बाद वे कीव जाएंगे। उनका दौरा अगले सप्ताह की शुरुआत तक चल सकता है। अमेरिका के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वह अधिकारी सार्वजनिक रूप से बोलने के लिए अधिकृत नहीं था। इसलिए उसने नाम न बताने की शर्त पर बात की। अधिकारी ने दोनों जगहों पर जाने के सही समय की जानकारी नहीं दी। यह दोनों अमेरिकी अधिकारियों की कीव की पहली यात्रा होगी। अमेरिका युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत की कोशिश कर रहा है। लेकिन अब तक इन कोशिशों से शांति का रास्ता नहीं निकल पाया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि वह विटकॉफ और कुशनर के रविवार को कीव पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। इससे पहले दोनों अधिकारी मॉस्को जाएंगे। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा कि बातचीत के दौरान यूक्रेन हवाई हमले नहीं करेगा। उन्होंने रूस से भी ऐसा ही करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे बातचीत सुरक्षित तरीके से हो सकेगी। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, अमेरिकी पक्ष की पिछली राजनयिक यात्राओं की तरह हम यह सुनिश्चित करेंगे कि रूसी हवाई क्षेत्र सामान्य रूप से काम करता रहे, ताकि बातचीत के लिए आने वाले अधिकारी सुरक्षित पहुंच सकें। रूस के राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को अमेरिकी अधिकारियों के मॉस्को दौरे की खबरों की पुष्टि करने से इनकार कर दिया।

जलविद्युत परियोजना के कर्मी सुरंग में 9 दिन कैसे रहे जिंदा, नेपाल में बचाव अभियान में क्या बदलाव

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में हिमालय की ऊंची पहाड़ियों से आए एक सैलाब का असर बीते नौ दिन से लगातार यहां रहने वालों के लिए एक बुरा सपना बना हुआ है। दरअसल, नेपाल में सबसे ज्यादा तबाही सैलाब को साथ लाने वाली भोटेकोशी और त्रिशूली नदी के आसपास के क्षेत्रों और इन नदियों पर बनी ऊर्जा परियोजनाओं को झेलनी पड़ी। इन्हीं क्षेत्रों में सबसे ज्यादा लोगों की मौत हुई और अधिकतम लापता हुए। खासकर छह हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाले करीब 900 लोगों की खोजबीन अब तक जारी है। इस बीच शुक्रवार सुबह एक अच्छी खबर आई। राहत-बचाव कार्य में लगी टीमों ने त्रिशूली नदी पर चल रही एक परियोजना में काम कर रहे दो लोगों को नौ दिन बाद मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

सामने आया है कि जिन दो लोगों को त्रिशूली 3ए प्रोजेक्ट के अंडरग्राउंड केंद्र के ऊपर जमे मलबे से बाहर निकाला गया है, वे दोनों ही नेपाली नागरिक हैं। इन्हें उपचार के लिए काठमांडू ले जाया गया है। दोनों ने ही बताया कि जब बाढ़ का प्रकोप जलविद्युत परियोजना पर पड़ा, तब उनके साथ कई और लोग मलबे में दब गए। हालांकि, बाकी लोगों की खोज अभी जारी है। बाढ़ से सबसे बुरी तरह प्रभावित हुई हाइड्रोपावर परियोजनाओं में काम कर रहे दो लोगों के नौ दिन बाद सही-सलामत

निकलने के बाद यह जानना अहम है कि आखिर यह दो लोग इस भीषण बाढ़ की चपेट में आने के बावजूद नौ दिन तक जिंदा कैसे रहे जलविद्युत परियोजनाओं में काम कर रहे लोगों को निकालने के लिए राहत-बचाव कर्मी किस तरह अभियान चला रहे हैं।

फिलहाल यह साफ नहीं है कि जिस त्रिशूली 3ए प्रोजेक्ट में राहत-बचाव कार्य के दौरान दो लोग निकाले गए, वहां और कितने लोग फंसे हो सकते हैं या कितने जिंदा होंगे। हालांकि, जो दो लोग बचे हैं, उनके खुद के बयानों और रेस्क्यू टीम की कोशिशों से चार अहम तथ्य निकलकर सामने आए। सबसे पहले जो बात सामने आई, वह यह कि सुरंग के मलबे में दबे एक व्यक्ति संजय साह बाढ़ के खतरे के बीच 40-45 लोगों को बचाने में सफल हुए थे और इसी दौरान सुरंग में फंस गए।

गोल्डीलॉक्स जोन में फंसकर बची जिंदगी : दोनों कर्मचारी टनल के भीतर एक सुरक्षित हिस्से में फंसे थे, जिसे भूवैज्ञानिकों ने गोल्डीलॉक्स जोन यानी इंसानों के जीवित बचने के 'सबसे अनुकूल' जगह कहा है। यह मुख्य रूप से सुरंग का वह इलाका था, जहां से अंदर और बाहर ले जाने वाली केबल मौजूद थीं। यह केबल भूमिगत पावरहाउस से ट्रांसमिशन ग्रिड तक जाती हैं। इस मजबूत ढांचे की वजह से वे टनल में आई बाढ़, मिट्टी और मलबे के सीधे बहाव की चपेट में आने से बच गए।

टनल का मुख्य द्वार पूरी तरह से मलबे से बंद हो जाने के बावजूद बचाव कर्मियों ने सुरंग के अंदर बनी संभावित खाली जगहों में पाइपों के जरिए ऑक्सीजन भेजने का प्रयास किया था, ताकि वहां हवा की कमी न हो। मैकेनिकल फोरमैन संजय साह के मुताबिक, सुरंग के अंदर घने अंधकार में नौ दिनों तक पूरी दुनिया से कटे रहने के दौरान उन्होंने हौसला नहीं टूटने दिया। वे लगातार मंत्रों का जाप और प्रार्थना करते रहे, जिससे उन्हें मानसिक रूप से जीवित रहने का हौसला मिला।

कठिन भूख-प्यास का सामना किया : सुरंग के अंदर दोनों के पास ही भोजन या पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी। बचाव के बाद जब कबीर महर्जन को सैन्य अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया, तो उन्होंने गंभीर स्थिति में होश में आने पर सबसे पहले बताया कि उन्हें बहुत तेज प्यास लगी है। वे बेहद कठिन परिस्थितियों में केवल अपनी शारीरिक सहनशक्ति के बल पर शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) का मुकाबला करते हुए जीवित बचे रहे। बाढ़ के मलबे से बंद केबल टनल में रास्ता बनाने के बाद, बचाव कर्मियों ने टनल की छत के ऊपरी हिस्से में एक छोटा सा छेद बनाया, ताकि उसके जरिए रेंगकर अंदर जाया जा सके। इस रास्ते से जब बचाव कर्मियों ने टनल के भीतर फंसे लोगों को आवाज दी, तो उन्हें अंदर से नेपाली भाषा में किसी के जवाब देने की बहुत ही धीमी और हल्की आवाज सुनाई दी। इसी आवाज के जरिए बचाव दल को उनके जीवित होने का पहला सुराग मिला।

ईरान संघर्ष को ट्रंप ने बताया छोटी बात, पिकैक्स माउंटेन पर हमले का भी जिक्र; होर्मुज में हालात कैसे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ छह महीने से अधिक समय से चल रहे टकराव को युद्ध मानने से इनकार किया है। उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के इस विचार का समर्थन करते हुए कहा, ईरान और अमेरिका के बीच 'अंतराल वाला सैन्य संघर्ष' हो रहा है जो वाशिंगटन के लिए 'छोटी बात' है। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका ईरान के भूमिगत परमाणु स्थल 'पिकैक्स माउंटेन' पर जल्द हमला कर सकता है। ईरान के अत्यधिक किलेबंद और भूमिगत परमाणु स्थल 'पिकैक्स माउंटेन' पर हमले का बयान ऐसे समय में आया है जब बीते कुछ दिनों में दोनों देशों ने एक दूसरे के सैन्य ठिकानों को जमकर निशाना बनाया है। ऐसे में दोनों देशों का टकराव बढ़ने का खतरा है।

क्या बहुत जल्द हमला कर सकता है अमेरिका : ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका को पिकैक्स माउंटेन पर कोई गतिविधि मिलती है, तो उसे निशाना बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी खुफिया तंत्र इस स्थल पर गतिविधियों की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

कहां है ईरान का परमाणु भंडार : पिकैक्स माउंटेन ईरान के नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधा के पास स्थित है। इसे दो गहरी दबी सुरंग प्रणालियों वाला अत्यधिक किलेबंद भूमिगत परिसर बताया जाता है। कुछ दिन पहले आई वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक इस्राइल ने ईरान से जुड़ा चौंकाने वाला दावा किया है। इस्राइल की खुफिया जानकारी के अनुसार, हजारों सेंट्रीफ्यूज इस गहरी दबी सुविधा में स्थानांतरित कर दिए हैं। इस भूमिगत निर्माण के कारण पारंपरिक हवाई बमबारी का असर नहीं होता है। पिकैक्स माउंटेन काफी अधिक प्रतिरोधी है।

ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में तर्क दिया कि अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप के कारण पश्चिम एशिया में एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष को रोकने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, यदि अमेरिका कार्रवाई नहीं करता तो इस्राइल और इसके आसपास अन्य देशों को अधिक गंभीर खतरे का सामना करना पड़ता।

सैन्य कार्रवाई को ईरान के ठिकानों पर अंजाम देने वाली एजेंसी- अमेरिकी सेंट्रल कमान ने बताया था कि सेना ने पिछले सप्ताह ईरानी सैन्य ठिकानों के पर हमले का एक लहर चरण पूरा किया है। इन अभियानों में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़े प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। अमेरिका ने जिन जगहों पर बमबारी की, उनमें ईरान का वायु रक्षा प्रतिष्ठान, रडार प्रणालियां, समुद्री संपत्तियां, बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमताएं और संचार स्थल जैसे केंद्र शामिल हैं। सेंटकॉम के मुताबिक IRGC द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध के जवाब में अमेरिकी सेना ने हमले किए।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री को क्यों याद आई पीएम मोदी की चेतावनी: बोले- भारत ने चेताया था; चीन पर साधा निशाना

ब्रुसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुरानी चेतावनी का जिक्र करते हुए यूरोप की व्यापारिक निर्भरता पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यूरोप को अब समझ आ रहा है कि आर्थिक निर्भरता को दबाव बनाने के हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। चीन का नाम लिए बिना डी वेवर ने उस देश पर परोक्ष निशाना साधा, जिसने यूरोपीय बाजारों और उद्योगों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। उन्होंने भारत को यूरोप का सबसे अहम रणनीतिक साझेदार बताते हुए दोनों के बीच व्यापार, निवेश, तकनीक और सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने कहा कि व्यापारिक निर्भरता के जोखिमों को लेकर अब यूरोप की 'आंखें अचानक खुली हैं'। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत ने यूरोपीय देशों को इस खतरे के बारे में काफी पहले चेतावनी दी थी, लेकिन उस समय यूरोप ने भारत की बात को गंभीरता से नहीं लिया। भारत और यूरोप के बीच गहरी रणनीतिक साझेदारी की संभावनाओं पर बात करते हुए डी वेवर ने कहा कि दोनों पक्षों के सामने एक जैसी चुनौतियां हैं। खासकर आर्थिक निर्भरता अब सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए भी किया जा रहा है। हमारे सामने एक जैसी चुनौतियां हैं। हमारा सामना ऐसे ही पावर ब्लॉक्स (शक्ति समूहों) से हो रहा है, जो एक खास दिशा में बढ़ रहे हैं। एक ऐसी दिशा जो शायद हमें पसंद नहीं है और हमें अपनी मर्जी के खिलाफ कुछ करने के लिए मजबूर किया जाना भी पसंद नहीं है। हमें यह पसंद नहीं है कि निर्भरता का इस्तेमाल हमारे खिलाफ हथियार के तौर पर किया जाए। डी वेवर ने इसके बाद यूरोप को दी गई भारत की पुरानी चेतावनियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत पहले ही यूरोप को इस तरह की आर्थिक निर्भरता के खतरे के बारे में आगाह किया था, लेकिन तब उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। आपने यह इतिहास देखा है। आपके प्रधानमंत्री ने बहुत पहले ही यूरोप को इस बारे में चेतावनी दी थी।

सऊदी अरब को अमेरिका की सौगात: पांच अरब डॉलर के हथियार सौदे को मंजूरी; जेडीएएम किट-बमों से खाड़ी में बढ़ेगी ताकत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने सऊदी अरब को करीब 5 अरब डॉलर के हथियार और सैन्य उपकरण बेचने की संभावित डील को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित बिक्री में सटीक निशाना लगाने वाली जेडीएएम-ईआर प्रणालियां, हजारों बम और उनसे जुड़े उपकरण शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी कांग्रेस को दी है।

प्रस्तावित हथियार सौदे में क्या-क्या शामिल है : अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, सऊदी अरब ने 5,004 केएमयू-572 जेडीएएम गाइडेंस किट और 5,000 केएमयू-556 जेडीएएम गाइडेंस किट की मांग की है। इसके अलावा 5,004 बीएलयू-111 500-पाउंड सामान्य उपयोग वाले बम और 5,000 बीएलयू-117 2,000-पाउंड बम भी प्रस्तावित पैकेज का हिस्सा हैं। डील में फ्यूज

सिस्टम, टारगेट डिटेक्टर, कंटेनर, स्पेयर पार्ट्स, सपोर्ट उपकरण और अन्य जरूरी सामान भी शामिल होंगे। इसके साथ अमेरिकी सरकार और ठेकेदारों की इंजीनियरिंग, तकनीकी और लॉजिस्टिक सेवाएं भी प्रस्तावित हैं।

अमेरिका सऊदी अरब को ये हथियार क्यों देना चाहता है : अमेरिकी विदेश विभाग का कहना है कि इस संभावित बिक्री से सऊदी अरब की सुरक्षा मजबूत होगी और खाड़ी क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता तथा आर्थिक प्रगति को बढ़ावा मिलेगा। अमेरिका के मुताबिक, इससे सऊदी अरब की मौजूदा और भविष्य की क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने की क्षमता बेहतर होगी। विभाग ने कहा कि इससे सऊदी अरब की अपनी जमीन की रक्षा करने की क्षमता बढ़ेगी और अमेरिकी तथा खाड़ी क्षेत्र के सहयोगी देशों की सेनाओं के साथ उसकी सैन्य प्रणालियों की बेहतर तालमेल क्षमता विकसित होगी। क्या इस सौदे से क्षेत्र का सैन्य संतुलन बदलेगा अमेरिकी आकलन के मुताबिक, प्रस्तावित लेनदेन से क्षेत्रीय सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं होगा। अमेरिका का यह भी कहना है कि सऊदी अरब इन हथियारों और सेवाओं को अपनी सैन्य व्यवस्था में आसानी से शामिल कर सकेगा। इस संभावित बिक्री के लिए मुख्य ठेकेदार बोइंग होगा, जिसका मुख्यालय वर्जीनिया में है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि फिलहाल इस सौदे के साथ किसी ऑफसेट समझौते की जानकारी नहीं है। क्या इस हथियार सौदे का पश्चिम एशिया के तनाव से भी संबंध है यह संभावित हथियार सौदा ऐसे समय सामने आया है, जब पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष, सऊदी अरब को निशाना बनाकर हुए हमलों और यमन के हूती विद्रोहियों की गतिविधियों ने खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है। ऐसे माहौल में सऊदी अरब अपनी जमीन और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को संभावित हवाई तथा मिसाइल खतरों से बचाने की क्षमता मजबूत करना चाहता है। अमेरिका और सऊदी अरब के बीच हालिया सहयोग केवल रक्षा क्षेत्र तक सीमित नहीं है।

मॉस्को जाने पर गिरफ्तारी का खतरा, फिर भी तैयार थे जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ बुदानोव; क्या बोले

कीव, एजेंसी। इस वर्ष के शुरू में में जब शांति वार्ता का एक दौर खत्म हुआ, तो यूक्रेनी वार्ताकारों को रूसियों की तरफ से एक हैरान करने वाला प्रस्ताव मिला। इसमें कहा गया कि यूक्रेनी अधिकारी चाहें तो मॉस्को की उड़ान पकड़ सकते हैं और वार्ता जारी रख सकते हैं। इसका फायदा यह था कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की संभावना थी और नुकसान यह था कि उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता था, या उससे भी बुरा कुछ हो सकता था।

प्रस्ताव ने इससे पहले जिनेवा में वार्ता के दौरान यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले किरीलो बुदानोव के सामने एक गंभीर असमंजस उत्पन्न कर दिया। रूस ने उन पर आतंकवाद

के आरोप लगा रखे हैं, जो तब लगाए गए थे जब वह यूक्रेन के सैन्य जासूसी प्रमुख थे। लेकिन वार्ता के माध्यम से शांति हासिल करने के लिए वह कोई भी अप्रत्याशित कदम उठाने के लिए तैयार थे। कभी रूस से डटकर मुकाबला करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल बुदानोव मौजूदा समय में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ हैं और किसी भी कीमत पर शांति चाहते हैं। बुदानोव का कहना है, बातचीत आज नहीं तो कल किसी नतीजे पर जरूर पहुंचेगी। आप पूरी जिंदगी युद्ध नहीं लड़ सकते। यूक्रेनी सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले बुदानोव ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं युद्ध खत्म करने वाले किसी भी कदम के लिए तैयार हूं। बशर्ते यूक्रेन को इसकी शर्तें मंजूर हों। उन्होंने मॉस्को दौरे के प्रस्ताव के बारे में खुलासा किया, जिसकी रिपोर्ट पहले सामने नहीं आई थी। यही नहीं यह दौरान भी परवान नहीं चढ़ सका था, और आगे बातचीत ठप हो गई थी। वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद : जंग लगातार जारी रहने के बीच बुदानोव ने सितंबर के आखिर तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में शांति वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद जताई है। विश्लेषकों का कहना है, शांति की पहल की बुदानोव की मंशा उनके व्यक्तित्व के दो अलग पहलुओं को सामने लाती है। वह एक ऐसे सैनिक के तौर पर अपनी पहचान बनाए रखना चाहते हैं जिसने रूस के खिलाफ जमकर जंग लड़ी। पूर्वी यूक्रेन में 2014 में लंबे समय से सुलगते रहे युद्ध के दौरान बुदानोव ने दुश्मन की सीमा के पीछे जाकर कमांडो छापों का नेतृत्व किया था, जिसमें एक छापे में रूसी जनरल के बेटे की मौत हो गई थी। 2022 में रूसी हमले के बाद उन्होंने यूक्रेन के कुछ सबसे दुस्साहसिक जवाबी हमलों की रूपरेखा तैयार करने में मदद की। अब वह खून-खराबा खत्म करने की पहल में भी सबसे आगे हैं।

450 साल पुराना दुनिया का नक्शा कितना बदला, कैसे अफ्रीकी देश के चलते भारत को मिल सकता है न्याय

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में पारंपरिक दुनिया के नक्शे (मर्केटर) को बदलने के लिए लाए गए करेक्ट द मैप प्रस्ताव को भारी बहुमत से पारित कर दिया है। 16वीं सदी का मर्केटर नक्शा उत्तरी गोलार्ध के देशों को बड़ा और भूमध्य रेखा के पास के देशों को छोटा दिखाता है। नए और सटीक अनुमान वाले इक्वल अर्थ मैप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और अन्य भूमध्यरेखीय क्षेत्रों का वास्तविक और बड़ा आकार सामने आएगा। वहीं, यूरोप, रूस और कनाडा जैसे इलाके मौजूदा मर्केटर नक्शे की तुलना में नए नक्शे में छोटे दिखाई देंगे। इस प्रस्ताव के पक्ष में 164 देश रहे, जबकि अमेरिका ने इसके खिलाफ वोट किया और छह देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। नया नक्शा अफ्रीका को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है। नए नक्शे को टोगो ने पेश किया जबकि अफ्रीकी संघ के सदस्यों ने पुरजोर समर्थन किया। मानचित्र सुधार प्रस्ताव फ्रांस और ब्रिटेन सहित 164 देशों के समर्थन से पारित हो गया। अमेरिका इकलौता देश रहा, जिसने इसके खिलाफ मतदान किया और छह देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया। 16वीं शताब्दी से उपयोग हो रहे मर्केटर मानचित्र की आलोचना की जाती रही है क्योंकि यह अफ्रीका को ग्रीनलैंड के समान आकार का दिखाता है, जबकि वास्तव में यह उससे 14 गुना बड़ा है।

अब वैश्विक नक्शों में बदलाव करना जरूरी : इस प्रस्ताव पर मतदान कि अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब आने वाले दिनों में दुनियाभर में दिखाए-पढ़ाए जाने वाले वैश्विक नक्शों में बदलाव करना जरूरी हो जाएगा और उसकी जगह नए नक्शे ले लेंगे। इतना ही नहीं मौजूदा नक्शे में दिखने वाले महाद्वीप के साथ भारत और कई देशों की स्थिति में बड़ा बदलाव हो जाएगा। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर संयुक्त राष्ट्र में वैश्विक नक्शे पर बदलाव कराने का दम रखने वाले इस प्रस्ताव की जरूरत क्यों पड़ी अब प्रस्ताव मंजूर हो चुका है तो क्या-क्या बदल सकता है आइये जानते हैं...

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश प्रस्ताव वैश्विक स्तर पर दर्शाए जाने वाले मानचित्र को बदलने और सदियों पुराने 'मर्केटर प्रोजेक्शन' मैप की जगह समान-क्षेत्र दर्शाने वाले मानचित्रों को वैश्विक मानक बनाने से जुड़ा था। इस प्रस्ताव को अफ्रीकी देश टोगो की ओर से प्रायोजित किया गया, जिसे 55-सदस्यीय अफ्रीकी संघ का समर्थन मिला। दरअसल, इस वक्त दुनिया में विश्व का जो मानचित्र दिखाया जाता है, वह 400 साल से भी ज्यादा पुराना है और इसे गेरहार्डस मर्केटर की ओर से दुनियाभर में व्यापार के लिए जाने वाले नाविकों की मदद के लिए बनाया गया था। यह पारंपरिक मानचित्र ध्रुवों के पास के देशों को उनके वास्तविक आकार से बहुत बड़ा और भूमध्य रेखा (इक्वेटर) के पास के क्षेत्रों को बहुत छोटा दिखाता है। उदाहरण के लिए मौजूदा नक्शे पर अफ्रीका और ग्रीनलैंड एक ही आकार के दिखाई देते हैं, जबकि वास्तविकता में अफ्रीका एक महाद्वीप है, जो कि ग्रीनलैंड से 14 गुना बड़ा है। ऐसा ही कई और अन्य देशों के भी साथ की स्थिति है। अफ्रीका अपने असल आकार के मुकाबले छोटा दिखाए जाने को लेकर ही नाराजगी जाहिर करता रहा है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर छाया संकट: पहली बार आईएईए ने माना नियमों का पालन नहीं हुआ, क्या लगेगा प्रतिबंध

तेहरान, एजेंसी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंतरराष्ट्रीय दबाव अब और बढ़ता दिख रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सामने ऐसा प्रस्ताव रखने की तैयारी की है, जिसमें ईरान को परमाणु अप्रसार की अपनी कानूनी जिम्मेदारियों का पालन न करने के मामले में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तक भेजने की बात है। यह मामला इसलिए बेहद गंभीर है क्योंकि जून 2025 में आईएईए बोर्ड ने करीब 20 साल बाद पहली बार ईरान को अपनी परमाणु अप्रसार संबंधी जिम्मेदारियों का पालन न करने वाला पाया था।

मसौदे में ईरान के खिलाफ क्या कहा गया : प्रस्ताव अभी बातचीत के दौर में है और आईएईए बोर्ड को औपचारिक रूप से नहीं सौंपा गया है। इसमें आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी से प्रस्ताव और पहले पारित प्रस्तावों को आईएईए के सभी सदस्यों के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और महासभा तक पहुंचाने को कहा गया है। प्रस्ताव में ईरान के परमाणु कार्यक्रम से पैदा चुनौतियों का कूटनीतिक समाधान निकालने का समर्थन भी किया गया है। सभी पक्षों से बातचीत में रचनात्मक तरीके से शामिल होने की अपील की गई है। प्रस्ताव में बदलाव भी संभव है। औपचारिक रूप से पेश होने के बाद इस पर अगले सप्ताह वियना में आईएईए बोर्ड की बैठक में मतदान होगा।

ईरान की सबसे बड़ी परेशानी क्या : परमाणु अप्रसार संधि के तहत ईरान पर अपने सभी परमाणु पदार्थ और गतिविधियों की जानकारी देने तथा आईएईए के निरीक्षकों को यह जांचने देने की कानूनी जिम्मेदारी है कि परमाणु सामग्री का इस्तेमाल शांतिपूर्ण कामों के अलावा कहीं नहीं हो रहा। जून 2025 में अमेरिका और इस्राइल के ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमलों के बाद से ईरान ने प्रभावित परमाणु स्थलों पर आईएईए निरीक्षकों को प्रवेश नहीं दिया है। एजेंसी छह महीने से अधिक समय से हथियार बनाने की क्षमता के करीब पहुंच

चुके यूरेनियम के भंडार की स्थिति भी सत्यापित नहीं कर पाई है। आईएईए ने हाल में चेतावनी दी कि निरीक्षकों को प्रवेश न देना और परमाणु सामग्री की पुष्टि न हो पाना प्रसार का जोखिम पैदा करता है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

ईरान के पास कितना यूरेनियम और खतरा कितना बड़ा : आईएईए के अनुसार ईरान के पास 440.9 किलोग्राम यूरेनियम का भंडार है, जिसे 60 फीसदी तक शुद्धता पर समृद्ध किया गया है। हथियार बनाने के लिए आम तौर पर करीब 90 फीसदी शुद्धता वाला यूरेनियम चाहिए होता है। यानी ईरान का मौजूदा भंडार तकनीकी रूप से उस स्तर से बहुत दूर नहीं है। आईएईए प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने पिछले साल कहा था कि यह मात्रा ईरान को सैद्धांतिक रूप से 10 परमाणु बम बनाने में सक्षम कर सकती है, अगर वह अपने कार्यक्रम को हथियार बनाने की दिशा में ले जाने का फैसला करे। उन्होंने साफ किया था कि इसका मतलब यह नहीं है कि ईरान के पास परमाणु हथियार मौजूद है।

यूरेनियम के पुराने निशानों की जांच क्यों अहम : आईएईए की वर्षों से चल रही जांच में ईरान के कुछ ऐसे स्थानों पर यूरेनियम के निशान मिले हैं, जिनके बारे में पहले जानकारी नहीं दी गई थी। एजेंसी की हालिया गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार इन निशानों की जांच में भी कोई प्रगति नहीं हुई है। पश्चिमी देशों के अधिकारियों को शक है कि ये निशान इस बात के संकेत हो सकते हैं कि ईरान ने 2003 तक गुप्त परमाणु हथियार कार्यक्रम चलाया था। ईरान इन आरोपों को खारिज करता है और लगातार कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है। ईरान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तक भेजने का मतलब मामले को आईएईए से आगे संयुक्त राष्ट्र की सबसे शक्तिशाली संस्था के सामने ले जाना होगा। सुरक्षा परिषद के पास आगे कानूनी रूप से बाध्यकारी कदम उठाने की क्षमता है, जिनमें प्रतिबंध और संपत्ति फ्रीज करने जैसे कदम शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इस मामले में कड़ी संयुक्त राष्ट्र कार्रवाई की संभावना सीमित मानी जा रही है, क्योंकि ईरान के सहयोगी रूस और चीन सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं और उनके पास वीटो का अधिकार है। पश्चिमी देशों की ओर से प्रस्ताव लाने की तैयारी के बावजूद कूटनीति का रास्ता पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। मसौदे में भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी चिंताओं का राजनयिक समाधान निकालने की बात कही गई है। ईरान और आईएईए के बीच सहयोग और बातचीत की कमी ने स्थिति को ज्यादा गंभीर बनाया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुख्यमंत्री विजय ने पुलिस के कल्याण, आधुनिकीकरण पर दिया जोर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने रविवार को पुलिस दिवस के अवसर पर पुलिस बल को शुभकामनाएं देते हुए उनके कल्याण, कार्यभार में कमी और आधुनिकीकरण के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता जताई। मुख्यमंत्री ने समाज में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल के निस्वार्थ सेवाभाव, साहस और त्याग की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी न केवल अपराध रोकते हैं, बल्कि प्रतिकूल परिस्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं में भी लोगों की जान-माल की रक्षा करते हैं। विजय ने घोषणा की कि उनकी सरकार पुलिसकर्मियों का कार्यभार कम करने, उन्हें आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस करने और उनके तथा उनके परिवारों के लिए कल्याणकारी योजनाएं सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। उन्होंने एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण तमिलनाडु के निर्माण के लिए जनता से पुलिस के साथ विश्वास और सद्भाव से काम करने का भी आह्वान किया।

दिल्ली में लाठी-डंडों से पीट-पीटकर युवक की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली इलाके में रविवार सुबह 5 बजे एक शख्स की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। ये मामला ईस्ट दिल्ली के मयूर विहार फेज 3 का है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचीं और शव को बरामद किया। मौके पर फॉरेंसिक स्पेशलिस्ट की टीम को भी बुलाया गया जो सबूत जुटा रही है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि आगे की जांच की जा रही है। पुलिस सीसीटवी फुटेज भी बरामद किया है और अब उसे खंगाल रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना के चश्मदीद सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि दो लोग मिलकर एक शख्स को मार रहे थे। उन्होंने कहा कि मैंने सुबह 4 बजे कुछ लोगों को देखा था। वह लोग मुझे भी जान से मारने की धमकी भी दे रहे थे, जिसके बाद मैं वहां से साइड हो गया और फोन किया। गार्ड ने बताया कि उन्होंने फोन करके पुलिस को इस मामले की जानकारी दी थी। सीसीटीवी फुटेज में दो लोगों को साफतौर पर एक शख्स को डंडों से पीटते देखा जा सकता है। पुलिस इन फुटेज के जरिए आरोपियों की तलाश कर रही है।

कांग्रेस प्रत्याशी का विरोध, विधायक को दिखाए काले झंडे, कार पर चढ़े लोग

जयपुर (एजेंसी)। नगर निकाय चुनाव की वोटिंग की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे जयपुर में टिकट वितरण को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। अब आमेर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर-149 में कांग्रेस प्रत्याशी अंजलि ब्रह्मभट्ट के विरोध ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। आमेर के हांडीपुरा इलाके में अंजलि ब्रह्मभट्ट के समर्थन में पहुंचे आमेर विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा को भी भारी विरोध का सामना करना पड़ा। लोग अंजलि ब्रह्मभट्ट को कांग्रेस का टिकट दिए जाने से नाराज हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा और कांग्रेस प्रत्याशी की गाड़ी इलाके में पहुंचते ही बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे दिखाए और नारेबाजी की। विरोध इतना बढ़ गया कि कुछ लोग गाड़ी के पास पहुंच गए और वाहन को रोकने की कोशिश करने लगे। मौके पर मौजूद समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। बताया जा रहा है कि लोगों की मुख्य नाराजगी वार्ड नंबर-149 से निवर्तमान पार्षद अंजलि ब्रह्मभट्ट को कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर है। लोग टिकट वितरण के फैसले का विरोध कर रहे थे और इसी नाराजगी का सामना विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा को भी करना पड़ा।

मायावती का आरोप : राजनीतिक दल जेन-जी आंदोलन को कर रहे हाइजैक

-युवाओं के भविष्य पर जताया संदेह

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने जेन-जी युवाओं और बेरोजगारों के आंदोलनों को लेकर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न राजनीतिक दल इन प्रदर्शनों को हाइजैक कर रहे हैं, जिससे युवाओं और छात्रों के बीच गंभीर संदेह पैदा हो रहा है। मायावती ने पोस्ट में कहा कि इसतरह के कई उदाहरण सामने आए हैं, जिससे यह साबित होता है कि युवाओं, छात्रों और बेरोजगारों से जुड़े जेन-जी आंदोलन अब स्वतंत्र न रहकर धीरे-धीरे राजनीतिक हो गए हैं। उन्होंने विशेष रूप से जंतर-मंतर आंदोलन का जिक्र किया, जहां युवाओं और छात्रों को बड़े सपने दिखाए गए थे, लेकिन अब वे राजनीतिक दलों द्वारा आंदोलनों पर कथित कब्जे के कारण गंभीर संदेह का सामना कर रहे हैं। हालांकि, मायावती ने स्पष्ट किया कि बीएसपी हमेशा जेन-जी और जेन-अल्फा की जायज मांगों के प्रति सहानुभूति रखती है और उनकी चिंताओं को गंभीरता से लेती है। उन्होंने सभी बीएसपी राज्य इकाइयों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संबंधित अधिकारियों से मिलकर युवाओं की समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान में मदद करे। इसके साथ ही, उन्होंने बीएसपी कार्यकर्ताओं को अनुशासन का पालन करते हुए धरने, प्रदर्शन या आंदोलनों में शामिल न होने की सलाह दी।

अरुणाचल में पहली बार भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक

मौजूदा मुद्दों पर दोनों पक्षों में हुई बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और चीन की सेनाओं ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश में पहली बार कोर कमांडर स्तर की महत्वपूर्ण बैठक की। यह वार्ता वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर वाचा-दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट के भारतीय क्षेत्र में स्थित वाचा पर हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य अरुणाचल प्रदेश से जुड़े सीमा क्षेत्र में दोनों सेनाओं के बीच मौजूदा मुद्दों पर चर्चा करना और उनके समाधान के रास्ते निकलना था।

बात दें कि अरुणाचल प्रदेश में कोर कमांडर स्तर की पहली बातचीत रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। अरुणाचल का सीमावर्ती इलाका दोनों देशों के लिए अहम है और पहले इसतरह की बैठकें मुख्य रूप से लद्दाख सेक्टर तक सीमित रही हैं। भारतीय पक्ष का नेतृत्व तीन कोर कमांडरों ने किया, जिसमें तेजपुर स्थित 4 कोर और रंगापहार स्थित 3 कोर के प्रमुख शामिल थे, जो अरुणाचल प्रदेश में एलएसी की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। भारत-चीन एलएसी पर पांच बॉर्डर पर्सनल मीटिंग (बीपीएम) पॉइंट हैं, जिसमें से दो अरुणाचल प्रदेश में हैं, वाचा इन्हीं दो बीपीएम पॉइंट में से एक है।

यह वार्ता तब हुई है जब भारत और चीन के बीच सीमा संबंधी मुद्दों को लेकर सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर संवाद जारी है। दोनों देशों की एलएसी को लेकर अपनी-अपनी अलग राय है, इस कारण अक्सर जमीनी स्तर पर समस्याएं पैदा होती हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय सेना ने उन इलाकों में चीनी सैनिकों के रुख से निपटने के लिए बेहद सख्त रवैया अपनाया है, जहां अभी भी मुद्दे अनसुलझे हैं। पूर्व में, लद्दाख सेक्टर में चुशुल-मोल्डो बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर एलएसी से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए कॉर्प्स कमांडर-लेवल की बैठकें होती रही हैं, खासकर 2020 की गलवान झड़पों के बाद, जब दोनों पक्षों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था।

सैन्य स्तर की यह ताजा बातचीत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की हालिया चीन यात्रा के बाद हुई है। एनएसए डोभाल ने बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ 'स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव्स डायलॉग' के तहत बातचीत की थी, जिसका मुख्य केंद्र सीमा तय करने और सीमा-पार सहयोग पर काम जारी रखना था। इस बीच, उम्मीद है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स (ब्रिक्स) शिखर सम्मेलन के लिए भारत का दौरा कर रहे है। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान (रिटायर्ड) ने भी पूर्वोत्तर में हॉटलाइन बनाने और कॉर्प्स कमांडर-लेवल की बातचीत की संभावनाओं का स्वागत कर 'एक स्वागत योग्य कदम' बताया है।

मुर्शिदाबाद में भूकंप के झटके, बारिश और भूस्खलन से बढ़ी चिंता

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। प्रकृति के कुपित रूप का अनुभव पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद जिला इन दिनों कर रहा है। भारी बारिश और भूस्खलन की लगातार घटनाओं के बाद, शनिवार देर रात भूकंप के झटकों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी। यदि प्रकृति की अप्रत्याशित शक्ति को देखना हो, तो नेपाल जैसी जगहों पर आई विनाशकारी आपदाओं को याद किया जा सकता है, और अब मुर्शिदाबाद में भी प्रकृति का रौद्र रूप एक के बाद एक आपदाओं के रूप में सामने आ रहा है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार देर रात 10 बजकर 24 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई, जबकि भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। एनसीएस ने इसका केंद्र मुर्शिदाबाद में ही रिकॉर्ड किया है। हालांकि इन झटकों से किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है, लेकिन अचानक आए कंपन से लोगों में दहशत फैल गई और कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। यह भूकंप ऐसे समय में आया है जब मुर्शिदाबाद जिला पहले से ही प्रकृति के अन्य प्रकोपों से जूझ रहा है। पिछले कुछ दिनों से यहां भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण कई इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन भूस्खलनों ने एक बार न्यू फरक्का रेल रूट को भी बाधित कर दिया था, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद यातायात के लिए बहाल किया जा सका है। अब उसी मुर्शिदाबाद में भूकंप के झटकों ने लोगों की बेचैनी को और बढ़ा दिया है।

क्या अखिलेश जी, सहारनपुर जाकर मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे?: राजभर

सहारनपुर,, एजेंसी।
यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सहारनपुर की कलेक्ट्रेट स्थित मस्जिद मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए पूछा कि अखिलेश जी, सहारनपुर जाकर अवैध इमारत के मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे? क्या आप मसूद भाई की बातों का समर्थन करेंगे? यूपी पूछ रहा है, बताइए ना? उन्होंने यह बात मस्जिद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बाद मिल रही राजनीतिक प्रतिक्रियाओं के जवाब में कही।

बता दें सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद को लेकर विवाद था। इस पर नगर मजिस्ट्रेट की कोर्ट में वाद दायर किया गया था, जिसमें मस्जिद अपने पक्ष में सुबूत नहीं दिखा सका, जिस पर इस मस्जिद के ध्वस्तीकरण के साथ ही 6 करोड़ से अधिक की क्षतिपूर्ति का आदेश पारित किया गया। मस्जिद पक्ष नगर मजिस्ट्रेट के फैसले के खिलाफ जिला अदालत में गया, लेकिन अदालत ने सुबूतों को देखते हुए मस्जिद पक्ष की याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद शनिवार तड़के प्रशासन ने मस्जिद को गिरा दिया। इस पर स्थानीय सांसद इमरान मसूद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी ऐतराज जताया, लेकिन सबको हाउस अरेस्ट कर लिया गया था। इमरान मसूद ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। सहारनपुर में मस्जिद ध्वस्त करने के सवाल पर अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो लोग धार्मिक स्थलों को गिराते हैं और दूसरों की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हैं, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते। उन्होंने इसे गलत ठहराया।

नेपाल जैसा भारत में भी ग्लेशियल झीलों से विनाश का खतरा: एनडीएमए

नई दिल्ली, एजेंसी।
हाल ही में ग्लेशियर फटने से नेपाल में आई भीषण तबाही के बाद भारत में भी ऐसे ही विनाश की आशंका जताई जा रही है। देश की 40 ग्लेशियल झीलों को संभावित खतरे में बताया है, जिनमें से 7 को अत्यधिक उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। एनडीएमए के मुताबिक, नेपाल-तिब्बत सीमा से सटे भारतीय इलाकों में स्थित ये झीलें कभी भी एक बड़े संकट का कारण बन सकती हैं। नेपाल में हाल ही में हुए ग्लेशियर फटने से 1,000 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और 4,000 से ज्यादा लापता हो गए थे, जिसने भारत को भी सतर्क कर दिया है। इस भयावह परिदृश्य के मद्देनजर, एनडीएमए ने विशेष रूप से सिक्किम में 40 उच्च-खतरे वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान की है, जिनमें से 7 को उच्च जोखिम श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। इन 40 संवेदनशील झीलों में से 16 का वर्गीकरण हो चुका है, जबकि 13 अभी भी वर्गीकृत नहीं हैं।

अधिकारियों ने बताया कि 16 प्राथमिकता वाली संवेदनशील झीलों में से 13 का विस्तृत वैज्ञानिक आकलन किया गया है। इनमें से अधिकांश झीलें लगभग 17,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं। इस संभावित आपदा से बचाव के लिए सिक्किम राज्य ने कई महत्वपूर्ण उपाय प्रस्तावित किए हैं। सिक्किम के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव संदीप तांबे ने बताया कि हालिया आकलन में झीलों की गहराई, पानी की मात्रा, मोरेन की मजबूती और हिमस्खलन व भूस्खलन से होने वाले खतरों की जांच की गई है। प्रमुख उपायों में शाको चू झील में सोलर-पावर्ड पंपों का उपयोग करके जल स्तर को 20 से 40 मीटर तक कम करना शामिल है, जिससे लगभग 80 लाख घन मीटर पानी निकाला जाएगा। दूसरा प्रस्ताव साउथ-नॉर्थ लोनाक क्लस्टर के लिए है, जहाँ डोलमा संपांग में लगभग 24 किलोमीटर नीचे एक पत्थर-चिनाई वाली रोक संरचना का अध्ययन किया जा रहा है, ताकि संभावित बाढ़ के बल को कम किया जा सके। तीसरा प्रस्ताव गुरुदोंगमार झील परिसर के लिए है, जहाँ अधिकारी मोरेन प्लग पर एक सुरक्षा दीवार बनाने पर विचार कर रहे हैं, ताकि पवित्र झील को नुकसान पहुंचाए बिना पानी के निकलने को नियंत्रित किया जा सके। इसके अलावा, सिक्किम अपने रियल-टाइम निगरानी और पूर्व-चेतावनी सिस्टम का विस्तार भी कर रहा है। शाको चू, केरांग और डोलमा संपांग में स्वचालित निगरानी स्टेशन पहले से ही कार्यरत हैं, और अधिकारी डॉप्लर वेदर रडार लगाने के लिए जगहों की तलाश कर रहे हैं। राज्य में 400 से अधिक ग्लेशियल झीलें हैं, जिनमें से फिलहाल 16 को अत्यधिक संवेदनशील बताया गया है। यह नवीनतम आकलन अक्टूबर 2023 में हुई भीषण ग्लेशियल झील आउटबर्स्ट बाढ़ के बाद आया है।

राज्यसभा न भेजे जाने पर बोलीं स्मृति: पद नहीं, अवसर महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय टीम में अपनी वापसी के बाद विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी है। हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान, उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से मिली हार के बाद राज्यसभा न भेजे जाने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा के संगठन में पद केवल एक पहचान नहीं, बल्कि एक अवसर होता है। ईरानी ने कहा, अगर राजनीतिक ताकत ही महत्वपूर्ण होती, तो मैं कभी अमेठी नहीं जाती। क्योंकि ऐतिहासिक रूप से अमेठी भाजपा के लिए एक हारने वाली सीट रही है। गौरतलब है कि स्मृति ईरानी 2011 से 2019 तक राज्यसभा सांसद रही थीं। इसी दौरान उन्होंने 2019 के चुनाव में अमेठी में राहुल गांधी के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी, हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

अपनी राजनीतिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए, ईरानी ने भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा में अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि वह पहली बार 2003 में युवा मोर्चा महाराष्ट्र में पदाधिकारी बनी थीं, और उनके साथ तत्कालीन उपाध्यक्ष देवेंद्र फडणवीस थे। उन्होंने हंसते हुए कहा कि उस समय उन दोनों ने कभी नहीं सोचा था कि वे आज इस मुकाम पर पहुंचेंगे। ईरानी ने प्रमोद महाजन और गोपीनाथ मुंडे जैसे नेताओं को प्रेरणास्रोत बताया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सार्वजनिक रूप से की गई सराहना उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। एक समर्पित भाजपा कार्यकर्ता के रूप में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए, ईरानी ने बताया कि युवा मोर्चा के समय वह अपने साथी कार्यकर्ताओं की मदद के लिए घर से पेट्रोल और पानी के पैसे भी मांगती थीं। इस पर उनके घरवाले कई बार उन्हें टोकते थे। उन्होंने कहा, तब हम कहते थे कि हाँ, ताकि हम अपने साथियों की मदद कर सकें। उन्होंने अपने संगठन मंत्री वी. सतीश जी का भी जिक्र किया, जिन्होंने उन्हें गरीब कार्यकर्ताओं की मदद करने और उन्हें साथ लेकर चलने की सीख दी। ईरानी ने जोर देकर कहा कि ऐसे मजबूत संगठन और पृष्ठभूमि से आने पर पद का महत्व गौण हो जाता है। एक साक्षात्कार के दौरान, स्मृति ईरानी से बंगाल में एक कार्यक्रम के दौरान वायरल हुए वीडियो पर भी सवाल पूछा गया, जिसमें विपक्ष ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें नजरअंदाज किया था। इस पर ईरानी ने जवाब दिया, हाँ, उस समय मैं और दादा (मिथुन चक्रवर्ती) एक साथ ही बैठे हुए थे। वीडियो में पीएम मोदी की पीठ दिखाई दे रही है। किसे पता है कौन किसको हाथ जोड़ रहा है। उन्होंने बताया कि वह पल बेहद भावुक करने वाला था, और मंच पर मौजूद हर व्यक्ति की अपनी कहानी थी, खासकर बंगाल में कार्यकर्ताओं ने बहुत कुछ झेला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री उन पुराने कार्यकर्ताओं का अभिवादन कर रहे थे, जिन्होंने बंगाल में उनके लिए गालियाँ सुनी हैं। ईरानी के अनुसार, मायने रखती है तो केवल जीत और बंगाल के कार्यकर्ताओं को मिलने वाला न्याय।

सागर में जहरीली शराब से अब तक 12 लोगों की मौत, 35 अस्पताल में भर्ती

-रात में बिगड़ी थी तबीयत, मरने वालों में चार गांवों के लोग शामिल

सागर, एजेंसी।
मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली-अवैध शराब पीने से अबतक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 35 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से कुछ की हालत अब भी गंभीर बनी बताई जा रही है। मौतों का आंकड़ा और भी बढ़ने की आशंका है। डॉक्टरों के मुताबिक अस्पताल लाए गए मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे और उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी। घटना के बाद प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग की जा रही है। शराब पीने वाले लोगों को चेकअप के लिए अस्पताल लाया जा रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर प्रतिभा पाल और पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया सहित प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी बंडा पहुंचे। अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली और मामले की जांच शुरू कराई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बंडा में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस के मुताबिक मृतकों में गोलू उर्फ चमन लोधी (45), निवासी गूगरा खुर्द, दिग्विजय लोधी (28), निवासी नौराज, करतार सिंह लोधी (30), निवासी नौराज, उजियार सिंह लोधी (56), निवासी गूगरा खुर्द, रोशन लोधी (30), निवासी पाटन थाना विनायका और राजेंद्र लोधी (32), निवासी नौराज-गूगरा शामिल हैं। गोलू उर्फ चमन को पहले से कैंसर की शिकायत होने की जानकारी भी सामने आई है। वहीं हरनाम राय (42), निवासी चौका, उत्तम नत्थू नायक (42), निवासी दलपतपुर, मंगल रजक (40), निवासी गूगरा खुर्द, परम आदिवासी, निवासी हिनौता और धनसिंह आदिवासी (30), निवासी हिनौता को गंभीर हालत में बीएमसी सागर रेफर किया गया है। प्रशासन और पुलिस द्वारा घटना के कारणों की जांच की जा रही है। जहरीली शराब की आशंका को लेकर भी जांच की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोगों से अपील की है कि पिछले 24 से 48 घंटे में किसी भी तरह की शराब पी है या जहरीली शराब के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो तुरंत स्क्रीनिंग कराएं। उन्होंने कहा कि लोग स्थानीय डॉक्टरों की टीम से संपर्क कर सकते हैं या सीधे अस्पताल पहुंचकर जांच करा सकते हैं। मौतों के बाद प्रशासन एक्शन में है। क्षेत्र की 6 शराब दुकानों को सील कर सैंपलिंग के निर्देश दिए हैं। वहीं, अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए कहा गया है।

अल नीनो ने बढ़ाई चिंता, इस साल आखिरी महीने में और बढ़ सकता है प्रभाव

-समुद्र के अंदर जमा अतिरिक्त गर्मी अल नीनो को और कर सकती है मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी।
इस साल दुनिया के कई हिस्सों में मौसम अपना रौद्र रूप दिखा रहा है। भीषण गर्मी, हीटवेव, मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। अब मौसम विशेषज्ञों के बीच प्रशांत महासागर में मजबूत हो रहे अल नीनो को लेकर चिंता है। आशंका जताई जा रही है कि साल के आखिरी महीनों में इसका प्रभाव और तेज हो सकता है और फरवरी 2027 तक मौसम के असामान्य हालात बने रह सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अल नीनो उस स्थिति को कहा जाता है, जब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर की समुद्री सतह का तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसका प्रभाव दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के तापमान, बारिश और मौसमी गतिविधियों पर पड़ता है। इस बार समुद्र के तापमान में हो रही बढ़ोतरी ने वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा है। अल नीनो 3.4 सूचकांक से जुड़े आंकड़ों में जुलाई में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से करीब दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा बताया। बाद की साप्ताहिक रीडिंग में यह अंतर बढ़कर करीब 2.2 से 2.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र की गहराई में भी असामान्य गर्मी दर्ज की गई है। जुलाई और अगस्त में प्रशांत महासागर के कुछ गहरे हिस्सों में पानी का तापमान सामान्य से आठ डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि समुद्र के अंदर जमा यह अतिरिक्त गर्मी अल नीनो को और मजबूत कर सकती है। इसी वजह से इसके संभावित प्रभाव को बेहद गंभीर माना जा रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ओर से जारी आकलनों के मुताबिक अल नीनो की स्थिति के फरवरी 2027 तक बने रहने की संभावना है। इसके 2026 के अंत तक मजबूत होने की आशंका जताई गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी बढ़ते वैश्विक तापमान और चरम मौसम की घटनाओं को लेकर चिंता जता चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि समुद्र के बढ़ते तापमान के साथ दुनिया के कई हिस्सों में गर्मी और अन्य चरम मौसमी घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। भारत के लिए अल नीनो विशेष चिंता का विषय है। मजबूत अल नीनो का असर भारतीय मानसून पर पड़ सकता है, जिससे बारिश कमजोर या अनियमित होने का खतरा रहता है। इसका सीधा असर कृषि, जल संसाधनों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। हालांकि, अल नीनो का हर बार भारत के मानसून पर एक जैसा प्रभाव नहीं पड़ता और अन्य मौसमी कारक भी अहम भूमिका निभाते हैं। सर्दियों को लेकर भी तस्वीर साफ नहीं है। अल नीनो वैश्विक तापमान और मौसमी पैटर्न को प्रभावित कर सकता है, लेकिन इससे यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि भारत में इस बार सर्दी आएगी ही नहीं। विशेषज्ञों के मुताबिक आने वाले महीनों में समुद्री तापमान, मानसूनी परिस्थितियों और अन्य वायुमंडलीय संकेतकों पर नजर रखना जरूरी होगा।